हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 7 अप्रैल 2024

11 देश को धर्म-जाति और गोत्र के नाम से बांटने ...

12 वाइस चेयरमैन के वार्ड का पानी भी पीने लायक नहीं

खबर संक्षेप

गांव तिगड़ाना में रक्तदान शिविर आज

भिवानी। गांव तिगड़ाना में सात अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजक राहुल तंवर ने बताया कि गांव तिगड़ाना के बाबा परमहंस बिचला मंदिर में रविवार सात अप्रैल को सुबह नौ से दो बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। श्याम लैबोरेट्री के संचालक राहुल तंवर व सचिन राणा ने बताया कि शिविर में युवा रक्तदाता बढ़ चढ़कर भाग लें और जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर मुहिम में सहयोग करें।

नशीले पदार्थों की तस्कर महिला गिरफ्तार

चरखी दादरी। पुलिस ने नशीला पदार्थ की तस्करी के आरोप में एक महिला को रोहतक से गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसआई दिलबाग सिंह ने तीन दिन पूर्व बाइक सवार 2 युवकों को 8 ग्राम हिरोईन व 40 ग्राम चरस के साथ 152डी के समीप गिरफ्तार किया था। आरोपियों की पहचान दादरी निवासी राहुल उर्फ मोटा व राहुल उर्फ पहलवान के रूप में हुई थी, जिनके खिलाफ थाना सदर दादरी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

नशा तस्करों के घर से नकदी व गाड़ी बरामद

भिवानी। नशा तस्करों के घर सर्च अभियान चलाती पुलिस।

तोशाम। शनिवार को तोशाम पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाकर विभिन्न गांव में तस्करों के घर पहुंची तथा नशा तस्करी के माध्यम से धन कमाकर गैर तरीके से एकत्रित किए सामान व नकदी को पुलिस ने तस्करों के घर से बरामद किया। पुलिस ने गांव ईशरवाल पहुंचकर मुकेश के घर से करीबन 54 हजार रुपये की नकदी, बाइक तथा गांव ढाणी माहू पहुंचकर सुरेंद्र के घर से एलइडी व बाइक, तोशाम के राजीव नगर निवासी मनदीप के घर से 8000 रुपये, दो एलईडी, तीन कैमरे व डिवीआर तथा खानक निवासी सुमित के घर से गाड़ी बरामद की।

राज्यमंत्री बिसम्बर ने खरक खरीद केंद्र का किया निरीक्षण

निधारित नमी पर चढ़ा मंत्री का पारा, बोले: खरक के किसानों की बढ़िया फसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी/बवानीखेड़ा

शनिवार को खरक स्थित खरीद केंद्र का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री बिसम्बर वाल्मीकि ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने मशीन से सरसों की नमी जांची। इस दौरान अधिकांश सरसों में नमी निर्धारित मापदंड से भी कम मिली। इस पर मंत्री ने कहा कि खरक गांव के किसान बढ़ियां सरसों लेकर आ रहे है। इस दौरान मंत्री ने खरीद अधिकारियों से कहा कि सरसों व गेहूं की खरीद में कोई ढिलाई न बरते। समय पर लिफ्टिंग करवाए, ताकि किसानों के खाते में निर्धारित समयावधि में फसल की राशि भेजी जा सके। इस दौरान उनके साथ अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

राज्य मंत्री मार्केट कमेटी के अधिकारियों को लेकर खरक स्थित खरीद केंद्र पर पहुंचे। उन्होंने वहां पर किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उसके बाद किसानों द्वारा लाई गई सरसों की फसलों की ढेरियों की जांच की। इस दौरान उन्होंने वहां पर मशीन से खुद सरसों डालकर नमी जांची। इस दौरान सरसों में 6.4 नमी मिली। इस पर मंत्री ने कहा कि अन्य जगहों पर सरसों में नमी ज्यादा मिल रही है,जबकि खरक के किसान फसलों को सूखाकर खरीद केंद्र पर ला रहे है। नतीजन सरसों में नमी कम है। इस पर राजयमंत्री ने कहा कि अधिकारी व खरीद एजेंसी के अधिकारी किसानों की सरसों व गेहूं की फसल का दाना दाना खरीदें। इस मामले में किसी तरह की कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। अगर किसी अधिकारी ने ढिलाई या कोताही बरती तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

बवानीखेड़ा। सरसों की ढेरी की नमी जांचते राज्यमंत्री बिसम्बर वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

गेहूं के लिए खरीद केंद्र में जगह तैयार करवाएं

राज्यमंत्री ने मंडी का निरीक्षण किया तो उस वक्त मंडी के हैंडलिंग एजेंट व किसानों ने मंडी में सरसों होने की वजह से गेहूं के डालने की जगह नहीं बची है। जिस पर मंत्री ने मार्केटिंग बोर्ड के कार्यकारी अभियंता को फोन से बातचीत की और कहा कि खरीद केंद्र के एक हिस्से में झाड़ झंखाड़ खड़े हैं। उनको हटवाया जाए। ताकि वहां पर सफाई करवाकर गेहूं की ढेरियां बनवाई जाए।

बैरानी और सिंचित इलाके की सरसों की दोनों की ढेरियां देखी

मंत्री अधिकारियों के साथ खरीद केंद्र पर पहुंचे तो उन्होंने सरसों की ढेरियों को देखना शुरू कर दिया। इस दौरान उनके साथ मार्केट कमेटी के एक अधिकारी भी साथ थे। इस पर मंत्री ने मार्केट कमेटी के अधिकारी से बैरानी इलाके की सरसों की ढेरी की नमी मापी तो वह भी सही मिली। उसके बाद उन्होंने सिंचित इलाके से लाई गई सरसों की ढेरी की नमी मापी तो वह 6.4 मिली। इस पर राज्यमंत्री ने बताया कि खरक व आसपास इलाके के किसान पहले ही अपने खेतों में सरसों का सूखा लेते और उसके बाद ही कढाई करके मंडियों तक लाते है। जिसकी वजह से इनमें नमी कम है।

उपायुक्त ने दूसरे दिन भी किया मंडी का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

उपायुक्त मनदीप कौर शनिवार को एक बार फिर अचानक दादरी की नई अनाज मंडी पहुंची और फसल खरीद प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए शुक्रवार को जारी किए अपने आदेशों की समीक्षा की। उपायुक्त तीन घंटे से भी अधिक समय तक मंडी में मौजूद रही और काउंटर पर टोकन कटते हुए किसानों से बातचीत की।

दूसरे दिन जब उपायुक्त अचानक मंडी में पहुंची तो वहां पर टोकन की लाइन में लगभग 20 ट्रैक्टर लगे थे। बातचीत के दौरान किसानों का कहना था कि लगभग पांच दिन पहले जब वे सरसों बेचने आए थे तो टोकने कटने में ही आठ से ज्यादा घंटे का समय लगा था, लेकिन आज लगभग 39 मिनट में टोकन का नंबर आ रहा है। अब किसान मंडी में फसल बेचकर अपने खेत का काम भी संभाल सकते हैं। उपायुक्त ने अपने निरीक्षण को लेकर किसी को भी कोई सूचना नहीं दी थी। इससे उन्हें मंडी में खरीद प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति का पता चल सका और उसी के आधार पर उपायुक्त ने निर्देश देकर व्यवस्थाओं को सही करवाया। शनिवार को निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने दोनों गेटों के काउंटर पर घंटों स्वयं खड़े होकर टोकन व्यवस्था को जांचा और किसानों से बातचीत की।

धीमा रहा उठान : उपायुक्त ने उठान प्रक्रिया का जायजा लिया तो पता चला कि उठान काफी धीमी गति से हो रहा है, जिसकारण आने वाले दिनों में खरीद प्रक्रिया बाधित हो सकती है। उपायुक्त ने तुरंत ठेकेदार को बुलाकर उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए और देरी व लेबर की कमी को लेकर डीएफएससी को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब मांगा है।

टोकन काउंटर की संख्या बढ़ते ही 39 मिनट में मिला टोकन, पहले लगते थे 8 घंटे

■

उठान और लेबर के मामले में डीएफएससी को नोटिस दिया

■

उपायुक्त तीन घंटे से भी अधिक मंडी में मौजूद रही और काउंटर पर टोकन कटते हुए किसानों से बातचीत की

दूसरे दिन सुधरी व्यवस्था

शुक्रवार को ही उपायुक्त ने मंडी के औचक निरीक्षण के दौरान फसल खरीद व्यवस्था में सुधार करने के लिए निर्देष देते हुए टोकन काउंटर सुबह 5 बजे से खोलने को कहा था। साथ ही टोकन काउंटर की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए थे। उपायुक्त के निदेर्शों का दूसरे दिन ही असर देखने को मिला और इससे मंडी के बाहर लगने वाले ट्रैक्टरों की लाइन भी नाम मात्र रह गई। उपायुक्त के निदेर्शों के बाद मंडी में व्यवस्थाएं काफी ठीक नजर आई।

35 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शिक्षा के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के उपलक्ष्य मे नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने सात दिवसीय कार्यक्रम चलाए, जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर नागरिकों में सामाजिक कार्यो के प्रति सकारात्मक कदम बढ़ाने की चेतना पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

शिविर में बतौर मुख्यतिथि 25 बार के रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रेमी जेई बिजेश जावला एवं पार्षद विनोद प्रजापति, विशिष्ट अतिथि नागरिक अस्पताल की ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. मोनिका सांगवान ने शिरकत की तथा रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने की। मुख्यतिथि जेई जावला एवं पार्षद प्रजापति ने कहा कि संत-महापुरूषों की जयंती पर सामाजिक कार्यक्रम करना सराहनीय कदम है, इससे युवा पीढ़ी को सकारात्मक संदेश मिलता है। इस अवसर पर दीपांशु, राजेंद्र, सोमबीर, सुनील, कपिल, सज्जन, राजेश, अनिल भारद्वाज, जितेंद्र बापोड़ा, राहुल, भविष्य, जितेंद्र, विनय, ओमप्रकाश, विक्रम, आशीष, राहुल, साहिल, राजबीर, प्रवीण मस्ता, दुष्यंत मौजूद रहे।

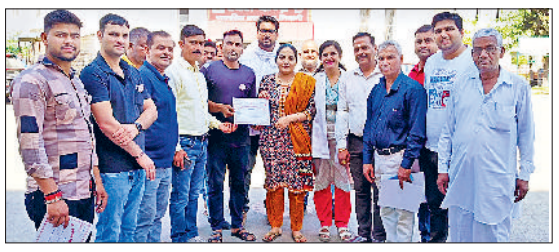

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र सौंपती अतिथि। फोटो : हरिभूमि

पदक विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एक से 6 अप्रैल तक जींद में अखिल भारतीय टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में भिवानी के खिलाड़ी यौरव सिंह ने गोल्ड मैडल हासिल किया। इसके साथ ही आलोक ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। खेल नगरी भिवानी के खिलाड़ियों की उपलब्धि से खेलप्रेमियों में खुशी है। बता दें कि दोनों खिलाड़ी महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय में स्थित एक्सट्रीम टेनिस अकादमी में कोच शैलिंद्र सिंह की देखरेख में अभ्यास करते है।

पदक विजेता खिलाड़ियों का शनिवार को अकादमी में पहुंचने पर खेलप्रेमियों ने फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। कोच शैलिंद्र सिंह ने बताया कि ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन एक से 6 अप्रैल तक जींद में किया, जिसमें अंडर-14 आयु वर्ग में यौरव सिंह ने जपनीत चराया को हराकर गोल्ड मैडल जीता। उन्होंने बताया कि अंडर-12 आयुवर्ग में आलोक गुजरात के विवान नायक को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी यौरव व आलोच ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी को गौरवांवित किया है।

■ टेनिस प्रतियोगिता में छाए भिवानी की एक्सट्रीम टेनिस अकादमी के खिलाड़ी

जागृति मोर्चा ने बच्चों के माध्यम से किया मतदान के लिए जागरूक

भिवानी। शनिवार को हरियाणा जागृति मोर्चा ने सविधान रचयिता डॉ. बीआर आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में गांव रतेरा में कानून व अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इससे पूर्व उन्होंने गांव के स्कूल आर्य मिडल स्कूल के बच्चों को मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शपथ दिलवाई। मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा मतदान करके ही लोकतंत्र को कायम रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने मत का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाए। सविधान रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर कहते थे कि लोग मतदान के प्रति जितने जागरूक होंगे और वे चुनाव में अपने मत का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बना सकते है।

चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को स्वीप टीम ने किया जागरूक

चरखी दादरी। शनिवार को गांव के राजकीय वमार विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा लोकतंत्र के महापर्व का कीजिए यूं सम्मान, निश्चय करके कदम बढ़ाएं और करें शत प्रतिशत मतदान गीत पर थिरकते हुए समूह लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। छात्राओं ने समूह नृत्य व नाटक की प्रस्तुति देते हुए मतदाताओं को मताधिकार एवं अधिकाधिक मतदान करने का संदेश दिया।खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में गठित स्वीप टीम ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विभिन्न मोबाइल एप की जानकारी दी। टीम सदस्य पीकन सांगवान ने बताया कि वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से घर बैठे 26 अप्रैल तक नए वोट बनवाए जा सकते हैं। टीम मेंबर डीपीई जागृति ने टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर मतदान संबंधी जानकारी लेने की बात कही। टीम प्रभारी जिला सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. सतीश साहू ने उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलवाई।

सीजेएम कपिल राठी ने विडो सेल की मासिक समीक्षा बैठक में ऑनलाइन दिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश

भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एंव मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कपिल राठी की अध्यक्षता में विडो सेल की ऑनलाइन मासिक समीक्षा बैठक आयोजन हुई। बैठक में सीजेएम कपिल राठी ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। सीजेएम कपिल राठी ने जिला स्तर पर विडो सेल सिस्टम के तहत विधवा महिलाओं को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने व उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने बारे में विस्तार से समीक्षा की। सीजेएम ने निर्देश दिए कि विडो सेल की मदद से महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया जाए। सरकार द्वारा विधवा महिलाओं के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें पेंशन संबंधी, लोन संबंधित योजनाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ विधवा महिलाओं को मिलना जरूरी है। जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए गए कि वह विधवा महिला व उनके बच्चे को दी जाने वाली पेंशन में किसी कारण फॉर्म में कमी है, तो उन्हें फोन के द्वारा सूचित कर उन कमियों को पूरा करवाया जाए। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर के अधिकारियों को कहा कि महिलाओं को उनके बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत करवाएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को आदेश देते हुए कहा कि सभी समस्याओं का सबसे बेहतर समाधान जागरूकता है। वन स्टॉप सेंटर मे हेल्प डेस्क बनाया जाए, जिसमें विधवा महिलाओं से संबंधित शिकायतों को दर्ज किया जाए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, एसडीएम कार्यालय, लीगल काउंटर वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभागों से अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

सेशन जज अग्रवाल ने किया जेल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनी यादव, सीजेएम.कम.सचिव कपिल राठी, किशोर न्याय बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट राकेश कादयान और एडीसी हर्षित कुमार ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों.हवालातियों को उनके केसों में आ रही मुश्किलों को सुना व समस्याओं के समाधान संबंधी जानकारी दी।

उन्होंने जेल की बैरिकों व जेल में स्थापित कानूनी सहायता क्लीनिक और जेल अस्पताल का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर जेल के किचन का भी दौरा किया और तैयार हो रहे भोजन का भी निरीक्षण किया। साथ ही जेल अधिकारियों को खाना पकाने में साफ-सफाई का ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा जिला व सेशन जज ने जेल में बंद कैदियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी करने के लिए वकील की जरूरत हैए तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं के लिए प्राधिकरण के अधीन वकील की सेवाएं ले सकता है। इस संबंध में लिखित दर्खास्त जेल प्रशासन के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिवानी के कार्यालय को भेजनी होती है। महिला जेल बंदियों को समय.समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी। उनके रहन.सहनए स्वास्थ्य जांचए कानूनी जागरुकता के विषय में संबंधित को जरूरी दिशा.निर्देश दिए। महिलाओं के छोटे बच्चों के लिए खेल के कमरे का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर सेशन कोर्ट के सुप्रिडेंट डॉ. परमिंदर सिंह, जेल अधीक्षक सुरेंद्र सिंह, उप अधीक्षक नरेश बूरा, डीएसपी रमेश कुमार सहित अन्य जेल कर्मचारी मौजूद रहे।

पहले जनहित के मुद्दों पर, अब चुनाव में जाति-धर्म के मुद्दे हुए हावी : जंगबीर सिंह

अब वोट डालने के वक्त तक मतदाता नहीं खोलते पत्ते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पहले और अब के चुनावी रणनीति व शैली में दिन रात का फर्क आ गया। पहले राजनेता परिवार के वरिष्ठ व्यक्ति के पास जाता और उसके पक्ष में वोट डालने की कहता। अगर उम्मीदवार सही होता तो उसी वक्त बुजुर्ग उस राजनेता को वोट देने की हामी भर लेता। थोड़ा सा भी लाग लपेट वाला नेता होता तो वे बुजुर्ग उसको वोट देने से साफ इंकार कर देता। किसी भी वोटर के मन में वोट देने के प्रति कोई लोभ व लालच नहीं था। वे केवल उम्मीदवार व पार्टी की छवि को देखकर वोट देते थे। साथ ही अगर किसी बुजुर्ग ने किसी राजनेता को वोट देने की हां कर ली तो पूरा परिवार उसी बुजुर्ग के कहने पर ही उसी राजनेता को वोट देते थे। वोट देने में कोई किंतु व परंतु नहीं होती थी,लेकिन अब के चुनावों में पहले की अपेक्षा दिन रात का फर्क आया है। अब जिस तरह से नेता पलटते है,पार्टिया बदलते है। उसी तरह से मतदाता भी हरेक राजनेता को राजी रखने का प्रयास करते है। चाहे कोई किसी पार्टी का नेता हो। यहां तक कि जितने वाले के साथ हारने वाला उम्मीदवार मत के लिए किसी के दर जाता है तो उसको भी विजयी होने का भरोसा दिलाकर भेजते है। चुनाव में मत डालने के वक्त तक मतदाता अपने पत्तें नहीं खोलता। किसी के पक्ष में मतदान करना या नहीं करने के बारे में जानकारी न देना सही है,लेकिन चुनावी गरिमा खतम होती जा रही है। लोकसभा के पूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह बताते है कि पहले व अब के चुनाव में दिन रात का फर्क आ गया है। पहले चुनाव लड़ने वाली पार्टियां अपने मैनीफेस्टों में नहरी पानी की समस्या, सड़कों की आदि को उठाकर चुनाव लड़ती थी। पर अब चुनावी घोषणा पत्र ही बदल गया। अब जनहित के मुद्दों को भुलाकर जाति व धर्म पर चुनावी जंग शुरू हो गई। जाति धर्म के नाम पर मतदाताओं को गुमराह किया जा रहा है। जिसमें कोई जनहित नहीं है,बल्कि आपसी भाईचारे की खाई को और चौड़ा किया जा रहा है। अब चुनावों में पूरी तरह से जनहित के मुद्दों को गौण किया जा रहा है।

भिवानी। 30 साल पहले चुनावी प्रचार करते पूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह। फाइल फोटो।

बढ़ गया चुनावी खर्च, लगे भूलने फर्ज

पूर्व सांसद बताते है कि पहले के चुनावी प्रचार में और अब के चुनावी प्रचार में दिन रात का अंतर आ गया। पहले पूरे मोहल्ले में एक जगह बैठे लोगों के साथ बातचीत करके मतों की अपील कर लेते थे। उन लोगों के बीच बैठ कर न तो माइक की जरूरत होती और न ही गाड़ियों पर लाऊड स्पीकर लगाने की जरूरत होती थी। बड़े आराम से लोग बैठ कर चुनावी उम्मीदवार की सुनते थे। अब पूरा सिस्टम बदल गया है। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को माइक व लाऊड स्पीकरों की जरूरत पड़ गई। यहां तक अब एक मोहल्ले में एक जगह नहीं आधा आधा दर्जन जगहों पर लोगों से मिलकर मत देने की अपील की जाने लगी। जिसके चलते उम्मीदवारों का चुनावी खर्च भी बढ़ गया है।

VAISH MODEL SR. SEC. SCHOOL, BHIWANI
&
VAISH INTERNATIONAL SCHOOL, BHIWANI
(Run by: Vaish Mahavidyalaya Trust, Bhiwani. Estd.-1943)
WALK-IN INTERVIEW
on 14th April 2024 (Sunday)
- PGT- Art / Painting
- TGT - English, Sanskrit, Science, Social Science, Maths.
- N.T.T , Clerk
- Music, Dance & Sports Teacher
- Language Expert with English Fluency & Communication Skills.
- Driver & Peon

NOTE:- QUALIFICATION AS PER CBSE NORMS. SALARY NEGOTIABLE
Interested candidates may come for Interview with all their testimonials.
Venue:- Vaish International School, Bhiwani, Devsar Chungi, Loharu Road, Bhiwani
For further Enquiry : 8168006945 (Office) 9466205662 (Principal)
SHIV RATTAN GUPTA (President)
PAWAN KR. BUWANIWALA (Gen. Sec.)

पैसे निवेश करने के कई तरीके, बाजार में उतरने पहले एक बार कर लें रिसर्च

■ म्यूचुअल फंड विविध विकल्प प्रदान करते हैं ■ एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक व सुरक्षित
■ रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प ■ बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए एनपीएस भी बेहतर

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आजकल, बहुत से लोग पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाले सही निवेश साधन को चुनने में भ्रमित होते हैं। हालांकि, निवेश पैसा या निवेश का निर्णय लेना इतना आसान नहीं है, क्योंकि निवेशक सिर्फ एक साधन में कई उद्देश्यों की तलाश करते हैं। इसलिए एक सवाल उठता है- कहां निवेश करें? वैसे, पैसा निवेश करने के लिए विविध विकल्प हैं। रिपोर्ट में हम आपको कुछ विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे जो आपकी निवेश जरूरतों को पूरा करने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

म्युचुअल फंड

म्यूचुअल फंड्स पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है। शब्द के अनुसार, एक म्युचुअल फंड धन का एक सामूहिक पूल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभूतियों की खरीद (फंड के माध्यम से) करना है। यह निवेशकों को एक मार्ग प्रदान करता है। पैसे बचाएं और समय के साथ रिटर्न कमाते हैं। म्यूचुअल फंड विविध निवेश विकल्प प्रदान करते हैं जैसे बांड, डेट, इक्विटीज, आदि ये निवेशकों को अलग खरीदारी और व्यापार करने की आवश्यकता के बिना भी निवेश का अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। म्यूचुअल फंड में कई प्रकार से निवेश किया जा सकता है। पैसा निवेश करने की योजना बनाते समय उस पर विचार कर सकते हैं। इसमें निवेशक कम से कम राशि के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। म्युचुअल फंड में 500 रुपये से भी निवेश की शुरूआत की जा सकती है। भारत में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं। जिन्हें संपत्ति प्रबंधन कंपनियां एएमसी कहा जाता है। ये म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती हैं और इन कंपनियों द्वारा ही नियंत्रित किया जाता है।

सावधि जमा (एफडी)

सावधि जमा यानी एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक है। हर बैंक इसकी सेवाएं प्रदान करता है। एफडी आपको आकर्षक रिटर्न की ओर ले जाती है। एफडी एक निश्चित परिपक्वता अवधि के साथ आती है। चूंकि इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिनों से लेकर पांच वर्ष तक होती है, इसलिए इसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश दोनों के लिए माना जा सकता है। इसमें निवेशक औसतन 7 से 9 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से रिटर्न कमा सकते हैं। यदि आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो एफडी पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इसमें रिटर्न भले ही कम हो लेकिन पैसा सुरक्षित रहता है।

रियल एस्टेट

सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है रियल एस्टेट रियल एस्टेट। मूल रूप से, अचल संपत्ति निवेश करती है और स्वामित्व, भूमि या संपत्ति (संपत्ति) की खरीद से संबंधित है। किसी भी प्रकार की संपत्ति में निवेश करने से पहले, पहले गहराई से विवरण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, आपको संपत्ति/भूमि के स्थान पर विचार करना चाहिए, थोक संपत्तियों की तलाश करनी चाहिए आदि। इसमें निवेश करने के लिए एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन यह उच्च रिटर्न निवेश के साथ कम जोखिम वाला है। हालांकि, अगर आप पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक की तलाश कर रहे हैं तो रियल एस्टेट सोचने लायक है।

सोना

पैसा निवेश करने के लिए सोना हमेशा सबसे अच्छे तरीकों में से एक रहा है। यह सबका पसंदीदा निवेश माना जाता है। इसमें सालान औसत 7 से 12 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा, भारतीयों का पारंपरिक रूप से सोन के के प्रति लगाव भी रहा है। लोगा सोने को हमेशा एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, जो समय के साथ धन जमा करता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सबसे बेहतर निवेश विकल्पों में से एक मान जाता है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है जहां नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही संपत्ति के निर्माण में योगदान करते हैं, जो सेवानिवृत्ति के समय संबंधित कर्मचारी पर बकाया है। एनपीएस भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, एनपीएस को पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसका टैक्स सेविंग निवेश। अगर निवेशक सालाना 1.5 लाख तक निवेश करते हैं तो वे टैक्स बचत कर सकते हैं। टैक्स कटौती की धारा 80सी के तहत इसमें टैक्स लाभ मिलता है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग का हर भारतीय नागरिक अस योजना में निवेश कर सकता है। अगर आपको अचानक नुकसान होने का डर है, या आप अपने परिवार के जीवन की रक्षा करना चाहते हैं, तो बीमा पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बीमा आपको और आपके परिवार को आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। लोग जीवन में अनिश्चित समय के दौरान बीमा को रीढ़ की हड्डी के रूप में चुनते हैं।

इस साल बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड

उम्मीद
बिजनेस डेस्क

- नए फाइनेंशियल इयर में सधे कदमों से करें निवेश की तैयारी
- निवेशकों लिए बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड
- निवेशक फीचर्स और रिटर्न देखकर ही करें निवेश का फैसला

नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो गया है। ऐसे में आपके लिए अपने पोर्टफोलियो का आकलन करने का समय आ गया है। मौजूदा समय में बाजार अपने आलटाइम हाई के करीब हैं और बीते एक साल की बात करें तो लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप हर सेगमेंट में जोरदार रैली देखने को मिली है। लार्जकैप इंडेक्स निफ्टी करीब 28 फीसदी तो मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 60 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुए हैं। ऐसे में आगे इनमें बिकवाली संभव है। ऐसे में नए फाइनेंशियल की शुरूआत में निवेशकों के लिए मल्टी एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी बेहतर हो सकती है, जिसके लिए मल्टी एसेट अलोकेशन फंड बेहतर विकल्प हैं। एक्सपर्ट भी कहते हैं कि जब भी बाजार को लेकर आशंका हो अपना पार्टफोलियो डाइवर्सिफाइड करें।

क्या है एसेट अलोकेशन

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को एक एकल निवेश प्रदान करते हैं जो ऋण, इक्विटी और एक अतिरिक्त परिसंपत्ति वर्ग जैसे रियल एस्टेट, सोना इत्यादि को जोड़ता है। इसके अलावा, ये योजनाएं विभिन्न परिसंपत्ति आवंटन एल्गोरिदम को नियोजित करती हैं जो बदलती बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन की गई हैं। इसका मतलब है डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो। यानी पोर्टफोलियो में अलग अलग एसेट क्लास को कुछ न कुछ हिस्सा देना। किस एसेट क्लास का कितना हिस्सा हो, यह निवेशक के रिस्क लेने और फाइनेंशियल गोल के अनुसार होना चाहिए। अलग में अलग अलग एसेट क्लास अलग अलग साइकिल में मार्केट लीडर बन सकते हैं यानी उनका प्रदर्शन अलग अलग साइकिल में अलग अलग हो सकता है। ऐसे में अगर कभी डेट में गिरावट आती है तो इक्विटी उसे बैलेंस कर सकता है। वहीं इक्विटी या डेट में गिरावट को गोल्ड या कमोडिटी से बैलेंस किया जा सकता है।

ये फंड हैं बेस्ट विकल्प

साल 2024 जहां शेयर बाजार के लिए उतार चढ़ाव भरा साबित हो रहा है, मल्टी एसेट अलोकेशन म्यूचुअल फंड फोकस में हैं। इस साल अब तक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड का एवरेज रिटर्न सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स से ज्यादा रहा है। वहीं, हाइब्रिड कैटेगरीज में इस कैटेगरी का रिटर्न इस साल अब तक सबसे ज्यादा रहा है। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को सिंगल इन्वेस्टमेंट के जरिए डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं। इनका निवेश इक्विटी, डेट, गोल्ड के अलावा रियल एस्टेट जैसे एसेट क्लास में होता है। इनकी यही खासियत निवेशकों को बेस्ट रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न प्रदान करने की क्षमता रखती है। इन फंडों का उद्देश्य कई एसेट क्लास में मल्टी-एसेट अलोकेशन के माध्यम से निवेश पोर्टफोलियो को बढ़ाना व डाइवर्सिफिकेशन लाना है।

किसे करना चाहिए निवेश

मल्टी-एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है, जिनकी जोखिम लेने की क्षमता कम है, लेकिन वे अपने निवेश पर स्टेबल रिटर्न चाहते हैं। वहीं, जो निवेशक अपने पोर्टफोलियो में अलग अलग प्रमुख एसेट क्लास में डाइवर्सिफिकेशन चाहते हैं, उनके लिए भी विकल्प बेहतर हैं।

1 साल से 10 साल में रिटर्न

मल्टी एसेट अलोकेशन फंड की बात करें तो इस कैटेगरी ने 1 साल, 3 साल, 5 साल और 10 साल में लगातार हाई रिटर्न दिया है। इन फंडों का एवरेज रिटर्न 1 साल में 26.43 फीसदी, 3 साल में 15.04 फीसदी, 5 साल में 13.81 फीसदी और 10 साल में 10.72 फीसदी रहा है। साल 2024 में अबतक इनका एवरेज रिटर्न करीब 4.23 फीसदी है, जो सेंसेक्स व निफ्टी की तुलना में ज्यादा है।

5 साल में टॉप स्कीम

- क्वांट मल्टी एसेट अलोकेशन फंडः 28.54%
- कोटक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड एफओएफ : 20.49%
- आईसीआईसीआई प्रू मल्टी एसेट अलोकेशन फंडः 19.63%
- एबीएसएल फाइनेंशियल प्लानिंग एफओएफ एग्रेसिवः 15.78%
- एचडीएफसी मल्टी एसेट अलोकेशन फंडः 15%

बिटकॉइन, सोना, शेयर या बॉन्ड....किसमें करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार, सोना, बिटकॉइन समेत सभी एसेट्स अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। बिटकॉइन ने पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में निवेश कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। बाजार में हमेश रिस्क चलता रहता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देख लें तो बेहतर होगा।

- इस समय सभी एसेट्स ऑल-टाइम हाई के करीब कर रहे हैं ट्रेड
- निवेशक हो रहे कनफ्यूज क्या करें, क्या न करें, क्या रहेगा बढ़िया
- सेंसेक्स और निफ्टी50 अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचे
- ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स भी बेहतर
- सोना भी ऑल-टाइम हाई पर, पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी निवेश करें
- बिटकॉइन सबसे रिस्की, लेकिन दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न

निवेशकों में आजकल कनफ्यूजन की स्थिति है। इसकी वजह यह है कि निवेश के सभी विकल्पों में तेजी दिख रही है। घरेलू शेयर बाजार अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। सोना भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। क्रिप्टो मार्केट में भी बहार आई हुई है। बिटकॉइन ने पिछले हफ्ते नया रेकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टर्स कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। हालांकि कहा जाता है कि म्युचुअल फंड पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लेकिन इस समय निवेश के सभी विकल्प गुलजार हैं। ऐसे में सभी ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं और निवेश के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। इ रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि जब हर तरह का बाजार बुलंदी पर हो तो क्या करना चाहिया या निवेश का कौना सा तरीका बेस्ट हो सकता है।

डेट

मीडियम-टर्म गोल के लिए डेट बेस्ट एसेट क्लास है। ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स पर ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इंटरेस्ट रेट में कमी आती है तो बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसमें ज्यादा जोखिम भी नहीं रहती है। जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो का 40 परसेंट डेट में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह 40 फीसदी इक्विटी में और बाकी 20 फीसदी दूसरे एसेट क्लास में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। देश में इसका भाव 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है जो इसका नया रेकॉर्ड है। जानकारों की मानें को निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी सोने में निवेश करना चाहिए। पिछले 20 साल में गोल्ड ने 11 फीसदी से अधिक सालाना रिटर्न दिया है जबकि इस दौरान चांदी की सालाना रफ्तार नौ फीसदी रही है। हाल के वर्षों में चांदी ने सोने से बेहतर रिटर्न दिया है।

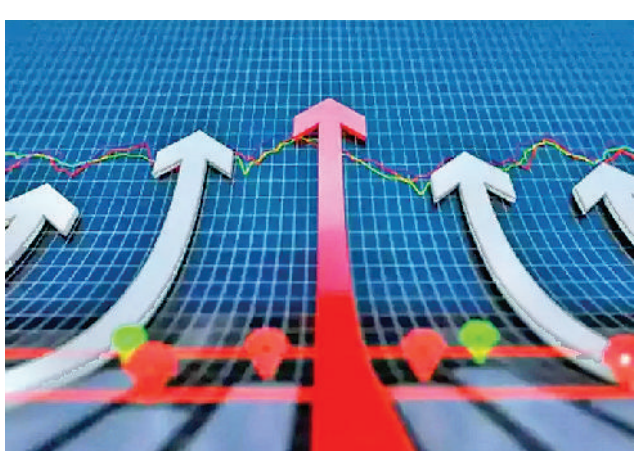

इक्विटी

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने उच्चतम स्तर के करीब ट्रेड कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए। इसमें भी एसआईपी सबसे बेहतर विकल्प है। निवेशक के पोर्टफोलियो में 20 परसेंट पैसिव लार्ज-कैप फंड, 50 परसेंट फ्लेक्सी-कैप फंड और 30 परसेंट मिड-कैप फंड होना चाहिए। इससे आपके पोर्टफोलियो का डाइवर्सिफिकेशन होगा और जोखिम में संतुलन रहेगा।

बिटकॉइन

क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में हाल के दिनों में भारी तेजी देखने को मिली है। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले हफ्ते ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसीज को रेगुलेट नहीं किया है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि क्रिप्टो में अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में बिटकॉइन ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

कितना कैश होना चाहिए

जानकारों का कहना है कि सारा पैसा निवेश करना सही नहीं है। आपात स्थिति के लिए आपके सेविंग अकाउंट में कम से कम छह महीने की जरूरत के लिए कैश होना चाहिए। शेयर मार्केट में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में गिरावट की आशंका है। निवेशक को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत है। आदर्श स्थिति देखें तो निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसदी इक्विटी में, 20 परसेंट डेट में, 10 फीसदी गोल्ड में, 10 फीसदी कैश में, 5 फीसदी सिल्वर में और 5 फीसदी क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए।

सुझाव कई स्कीमों ने 41 से 68% तक का सालाना रिटर्न दिया, एक साल में रिटर्न में स्मॉलकैप का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंडों से बेहतर

स्मॉलकैप फंड निवेशकों को बना रहे धनवान, लेकिन सावधानी रखें

औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा, निवेशकों ने करोड़ों रुपये कमाए

एक साल में रिटर्न देने के मामले में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंड कैटेगरी से बेहतर रहा है। इनका औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इक्विटी कैटेगरी में 1 साल का औसत रिटर्न कितना रहा।

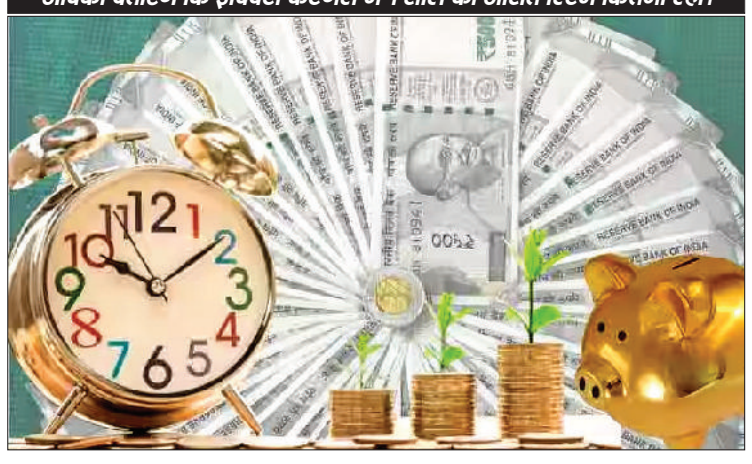

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

निवेश यानी बचत हर किसी को करनी चाहिए, क्योंकि इससे भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है। बचत बच्चों की पढ़ाई, शादियों और बुढ़ापे में काफी मददगार साबित होते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी कमाई का कम से कम 10 फीसदी तो जरूर बचत करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि इस बचत को सावधानी के साथ यदि म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाए तो अच्छा खास फंड बनाया जा सकता है। इन दिनों स्मॉलकैप शेयर काफी चर्चा में हैं। बीते 1 साल के दौरान इन्होंने आउटपरफॉर्म किया है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में करीब 65 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि लार्जकैप का रिटर्न 25 फीसदी रहा है, इस दौरान कई स्मॉलकैप स्टॉक में 100 फीसदी या इससे ज्यादा तेजी आई है। फिलहाल स्मॉलकैप की इस तेजी का फायदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी मिला है। बीते फाइनेंशियल ईयर में स्मॉलकैप फंड रिटर्न देने के मामले में इक्विटी कैटेगरी में नंबर 1 साबित हुए हैं। देखने में आ रहा है कि स्मॉलकैप फंड निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय करें और पोर्टफोलियों में डायवर्सिटी रखें इससे आपको नुकसान नहीं होगा। बाजार के जानकारों का कहना कि किसी भी एसेट्स में निवेश से पहले सावधानी बरतें, यानी जिस फंड में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार अच्छे से जांच परख लें।

ऐसे समझें रिटर्न

- स्मॉलकैप फंडः 53 फीसदी
- मिडकैप फंडः 52.60 फीसदी
- लार्जकैप फंडः 41 फीसदी
- लार्ज एंड मिडकैप फंडः 44 फीसदी
- फ्लेक्सी कैप फंडः 39.67 फीसदी
- मल्टीकैप फंडः 45.62 फीसदी
- ईएलएसएसः 39.37 फीसदी
- वैल्यू ओरिएंटेडः 50 फीसदी
- (वित्त वर्ष 24: इन 30 इक्विटी स्कीम में 50 से 72% बढ़ा पैसा।)

टॉप परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड

- क्वांट स्मॉल कैपः 68%
- निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैपः 57%
- इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैपः 55%
- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैपः 51%
- एडलवाइस स्मॉल कैपः 50%
- एचएसबीसी स्मॉल कैपः 49%
- आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैपः 43%
- एक्सिस स्मॉल कैपः 41%
- केनरा रोबेको स्मॉल कैपः 41%
- टाटा स्मॉल कैपः 41%

छोटी कंपनियों के शेयर क्यों चढ़े

जानकारों का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। निवेशकों के सेंटीमेंट में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में तेज ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

क्या होते हैं स्मॉलकैप फंड

स्मॉलकैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 250 से 500 के बीच रैंक की जाती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप और मिडकैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है। बाजार में गिरावट आने पर स्मॉलकैप में गिरावट दूसरे सेगमेंट की तुलना में ज्यादा हो सकती है। उसी तरह तेजी आने पर ये लार्जकैप या मिडकैप की तुलना में ज्यादा रिटर्न भी देते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह ली जाए तो ये रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हो सकते हैं।

स्मॉलकैप फंड में कौन करे निवेश

अगर बाजार का रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य 7 साल से 10 साल का है तो स्मॉलकैप फंड हाईरिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। लंबी अवधि तक निवेश बनाए रहने से बाजार का जोखिम कम हो जाता है। इनका एवरेज रिटर्न बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर युवा हैं और रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर इन स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

हार्दिक ने त्रिवेणी रोपित कर मनाया 7वां जन्मदिन

भिवानी। कोरोना काल के दौरान ऑक्सीजन की कमी ने पर्यावरण के महत्व और पौधों की उपयोगिता का एहसास करवाया। इसी को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों की ओर से पौधरोपण के लिए लोगों को प्रेरित किया जाने लगा हैं। इसी कड़ी में शनिवार को नन्हें पर्यावरण प्रेमी हार्दिक ने अपने 7वें जन्मदिन पर महम रोड स्थित ऑक्सी वन में त्रिवेणी रोपित की।

श्रीहनुमान जन्मोत्सव के चौथे दिन कार्यक्रम जारी

भिवानी। श्रीहनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत हनुमान जोहड़ी मंदिर में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा जारी 21 दिवसीय कार्यक्रमों के चलते शनिवार को चौथे दिन राष्ट्रीय एकता व अखंड़ा को हवन समर्पित रहा। मंदिर के महंत चरणदास महाराज ने कहा कि हनुमान जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित 21 दिवसीय कार्यक्रमों के तहत सामाजिक संदेश दिए जा रहे है। ये कार्यक्रम 23 अप्रैल को संपन्न होगा तथा समापन पर छप्पन भोग एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

दर्शन फौगाट बने लाभार्थी योजना के जिला संयोजक

चरखी दादरी। भाजपा द्वारा लाभार्थी योजना विभाग के तहत संगठन को मजबूती देने के लिए जिला स्तर पर नियुक्ति की हैं। शहर वार्ड नंबर 9 निवासी दर्शन फौगाट को जिला संयोजक नियुक्त किया है। उन्होंने नियुक्ति पर प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, हरियाण प्रभारी विप्लव देव, प्रदेश संगठन मंत्री फणीनंद्रनाथ, लाभार्थी योजना विभाग प्रदेश अध्यक्ष संजीव सैनी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें मिली हैं वे ईमानदार व निष्पक्ष तरीके से उसका निर्वहन कर पार्टी व संगठन को मजबूत करने में योगदान देंगे।

संजय को शहरी प्रधान की जिम्मेदारी मिली

चरखी दादरी। काठमंडी स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला परिसर में जांगिड़ सभा की जिला कार्यकारिणी की बैठक दयानंद झींझर की अध्यक्षता में हुई। सभा के प्रधान सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर प्रेमसिंह ने बताया कि सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी घोषित की, जिसमें सुबेदार सुबेदार दयाराम को महासचिव, संजय को शहरी प्रधान मनोनित किया। महिला सैल के जिला प्रधान की जिम्मेदारी कमलेश देवी को सौंपी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद व गोपनियता की शपथ दिलाई गई।

पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय देवीलाल को किया नमन

भिवानी। किसानों के मसीहा पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल युग पुरुष थे, स्वर्गीय देवीलाल ने जीवनभर किसानों व कमेरे वर्ग के लिए आवाज उठाई तथा संघर्ष किया। वे एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संस्था थे, जिन्होंने हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया तथा देश में पहली बार हरियाणा में बुढ़ापा पेंशन लागू की, ये बात इनेलो के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गौरा ने शनिवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय देवीलाल की पुण्यतिथि पर कही।

भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मनाया पार्टी 45वां स्थापना दिवस

देश को धर्म-जाति और गोत्र के नाम से बांटने वाली पार्टियां हो रही खत्म: सांसद

भाजपा अनुशासित, संगठित एवं राष्ट्रहित चिंतन की सोच वाला राजनीतिक संगठन: सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिवानी

भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पार्टी का 45वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस समारोह में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी एवं निवर्तमान सांसद धर्मबीर सिंह व विधायक घनश्याम सर्राफ विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी का झंडा फहराकर किया और एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों पर चर्चा की। इस मौके पर सिंह ने कहा कि भाजपा पार्टी ने 44 वर्षों में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, इसका श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक वर्षों से स्थापित पुरानी-पुरानी पार्टियां लुप्त होती जा रही हैं। देश को धर्म-जाति व गोत्र के नाम से बांटने वाली पार्टियां धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने आगे बढ़ने का कार्य किया है। विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने कहा कि भाजपा अनुशासित, संगठित एवं राष्ट्रहित चिंतन की सोच रखने वाला राजनीतिक संगठन है। भाजपा का आज 45वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता आज देशभर में 10 लाख से ज्यादा बूथों पर भाजपा सरकार की उपलब्धियां जनता को गिनवाएंगे।

भिवानी। भाजपा कार्यालय में पार्टी का झंडा फहराते निवर्तमान सांसद धर्मबीर सिंह व विधायक घनश्यामदास सर्राफ। *फोटो : हरिभूमि*

भाजपा में सबको मिल रहे समान अवसर

बहल। प्रदेश के वित्तमंत्री जेपी दलाल ने कहा कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की नीतियों पर चलते हुए अंत्योदय की भावना से काम कर रही है। पार्टी का उद्देश्य है कि सत्ता सेवा के लिए हो, निजहित के लिए नहीं। भाजपा शासन में अमीर व गरीब को समान अवसर मिल रहे। उन्होंने लोगों से अपील की देश के विकास के लिए तीसरी बार भाजपा को सत्तासीन करें। वे शनिवार को भाजपा के 45वें स्थापना दिवस पर पाजू गांव में भाजपा शक्ति केन्द्र पर आयोजित मंडलस्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वित्तमंत्री ने कार्यकर्ता के घर पर पार्टी का ध्वज फहराया और श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

सांसद ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

चरखी दादरी। शनिवार को गांव बौंदकलां, अचीना व चरखी गांव में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार निवर्तमान सांसद धर्मवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में निवर्तमान सांसद ने कहा कि आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी में कोई नेता नहीं, जो भाजपा उम्मीदवारों की टक्कर दे पाए,आज दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ती लोकप्रियता के मद्देनजर उनकी बराबरी का कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में आज भाजपा पूरी तरह से मजबूत स्थिति में है। दादरी विस के चारों मंडलों की बैठक में मौजूद जिलाध्यक्षा डॉ. किरण कलकल ने बताया कि भाजपा का संगठन मजबूत हैं और हर बूथ पर पार्टी का कार्यकर्ता मजबूती से खड़ा है।

भाजपा को वटवृक्ष बनाने वाले महापुरुषों को किया नमन

भिवानी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने खून पसीने से सींचकर भाजपा को विशाल वटवृक्ष बनाने वाले सभी महापुरुषों को नमन किया। राष्ट्रवादी विचारधारा, अंत्योदय के सिद्धांत व नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भाजपा निरंतर प्रयासरत है, उक्त शब्द भाजपा नेता रीतिक वधवा ने भाजपा के स्थापना दिवस पर जनसंघ एवं भाजपा के संस्थापक के सदस्यों तथा महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित कर आशीर्वाद लेने के दौरान कहे। उन्होंने कहा कि भाजपा के स्थपना दिवस पर भाजपा कार्यकर्ता उन महान

विभूतियों को नमन करते है, जिनकी निःस्वार्थ सेवा और समर्पण से पार्टी शिखर पर पहंची है।

भाजपा नेता अनिल ने विभिन्न गांवों में किया ध्वजारोहण

तोशाम। शनिवार को भाजपा के 44वें स्थापना दिवस पर भाजपा नेता अनिल शर्मा ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया। इस दौरान शर्मा ने क्षेत्र के गांव खानक में बूथ नंबर 8, 9, 10, 11, 12 पर तोशाम मंडल अध्यक्ष नरेंद्र कौशिक व डॉक्टर रामकेश के अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया। वहीं गांव पिंजोखरा के बूथ नंबर 5,6,7 पर डॉ. रामवीर जांगड़ा की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया। गांव गारणपुरा कलां में बूथ नंबर दो व तीन पर रूलीराम शर्मा की अध्यक्षता में तथा गांव छपार जोगियान के बूथ नंबर

41 पर सरपंच पवन छपारिया की अध्यक्षता में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया। शर्मा ने ग्रामीणों से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में वोट की अपील की।

वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में रेडिनस प्रोग्राम का आयोजन

भिवानी। वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में एक से 5 अप्रैल तक स्कूल रेडिनस प्रोग्राम का आयोजन किया। छह अप्रैल को हवन यज्ञ व मंत्रोच्चारण के साथ इसका समापन व नए सत्र के आगमन का आगाज किया। यज्ञ की शुरूआत वैश्य महाविद्यालय ट्रस्टी शिवरत्न गुप्ता, महासचिव पवन कुमार बुवानीवाला, विजय किशन अग्रवाल कोषाध्यक्ष व सुरेश गुप्ता ने आहुति देकर किया। वैश्य मॉडल सीनिअर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्या कमला गुरेजा व वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य करतार सिंह जाखड ने भी यज्ञ में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत योगा, संगीत, नृत्य, कला व अंग्रेजी सम्प्रेषण गतिविधिया सम्मिलित की गई हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया

- विश्व स्वास्थ्य दिवस पर बच्चों को स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिवानी

केएम पब्लिक स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां करवाई, जिनमें सुभाषचंद्र बोस सदन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। शिक्षिका अंजु अरोड़ा ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने तथा परिवार के सदस्यों की सेहत का ख्याल रखने तथा समय-

भिवानी। अतिथियों के साथ विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

समय पर फुल बॉडी चेकअप करवाते रहने की सलाह दी। छात्र वंश देव, रिदम व ईशा ने अंग्रेजी तथा हिंदी भाषण तथा अथर्व सिंह तंवर व दीपांशी ने अंग्रेजी कविता के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। कक्षा पांचवीं-ए के विद्यार्थियों अवनी, नविका, एंजल, कशिश तथा आरवी ने अंग्रेजी लघु नाटिका प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने सुंदर रंगों से पोस्टर बनाकर स्वास्थ्य दिवस के महत्व को दर्शाया। इस दौरान प्राचार्या रेनू सैनी, उपप्राचार्या नीलम गौतम, अमिता शर्मा, अंजु पोपली, सुनीता शर्मा, सारिका पंडित व रेखा श्योराण उपस्थित रहें। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष मनीष सिंघानिया, सचिव राजेश मोडा, प्रबंधक आनंद बासिया व प्रबंधन समिति सदस्य जितेंद्र गोयल ने विद्यार्थियों को विश्व स्वास्थ्य दिवस की बधाई दी।

एसकेएस करेगा भाजपा का विरोध

चरखी दादरी। सीआईटीयू जिला कमेटी की बैठक एसकेएस कार्यालय में जिला प्रधान कमलेश भैरवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन बहाली, पक्की भर्ती, मजदूरों के श्रम कानून में किए गए बदलाव, अग्निवीर, आशा वर्कर, आंगनबाड़ी व मिड डे मिल, ग्रामीण सफाई कर्मचारी तथा ग्रामीण चौकीदारों की मानी गई मांगों के लागू न करने पर परियोजना वर्कर एवं किसानों की एमएसपी पर चर्चा हुई। बैठक में फैसला लिया कि लोकसभा चुनावों में भाजपा सरकार का पूर्ण विरोध किया जाएगा। बैठक में किसान सभा जिला प्रधान रणधीर , सीआईटीयू जिला सचिव सुमेर सिंह, कोषाध्यक्ष व पूर्व एसकेएस जिला प्रधान राजकुमार घिकाडा, मिड डे मिल जिला प्रधान बबली आदि मौजूद रहे।

युवा मोर्चा ने शहर में बाइक रैली निकाली

चरखी दादरी। शनिवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के 44 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दादरी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ झंडा फहराकर पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। पर भाजपा जिलाध्यक्षा डॉ. किरण कलकल ने कार्यालय पर पार्टी ध्वज फहराकर भाजपा के देश के प्रति योगदान को सराहा। भाजपा के स्थापना दिवस पर युवा मोर्चा ने शहर में बाइक रैली निकाली। डॉ. किरण ने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस पर देश के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भाजपा की महान विभूतियों को नमन करने का दिन है, जिन्होंने वर्षों की अपनी कड़ी मेहनत, संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इस ऊंचाई तक पहुंचाया है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति इसके कार्यकर्ता हैं, जो 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने में दिन-रात जुटे रहते हैं। देश की युवाशक्ति भाजपा को एक ऐसी पार्टी के रूप में देखती है, जो उनके सपनों को साकार करने के साथ ही 21वीं सदी में भारत को मजबूत नेतृत्व देने में सक्षम है।

ट्रैफिक मैनेजर पवन का को किया सम्मानित

तोशाम। तोशाम बस स्टैंड पर एसएस पद पर रहे रोडवेज कर्मचारी पवन कुमार के ट्रैफिक मैनेजर बनने पर शनिवार को बस स्टैंड परिसर में कर्मियों ने उनका सम्मान किया। इस दौरान एसडीएम मनोज कुमार ढलाल ने बतौर मुख्यतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। उल्लेखनीय है कि पवन कुमार हरियाणा रोडवेज में कार्यरत हैं और तोशाम में बस स्टैंड पर एसएस पद पर रह चुके हैं। हाल ही में उनकी दादरी में ट्रैफिक मैनेजर के पद पर पदोन्नति हुई है, साथ ही उन्हें नारनौंद का भी एडिशनल चार्ज दिया गया है। शनिवार को रोडवेज कर्मचारियों ने उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें एसडीएम दलाल ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत कर पवन कुमार को मिठाई खिलाकर बधाई दी। कार्यक्रम में पवन तथा एसडीएम दलाल का रोडवेज कर्मचारियों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर भिवानी के एसएस कुलदीप सिंह, तोशाम के डीआई रत्नसिंह राणा निगाणा, रविंद्र पंघाल, रामफल टाला, विजय पंघाल, जयवीर, रमेश पटौदी, कुलदीप नंबरदार व हर्षण नंबरदार आदि मौजूद थे।

कन्या स्कूल की छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

तोशाम। शनिवार को गांव मिरान के राजकीय कन्या उच्च विद्यालय की छात्राओं ने स्टाफ सदस्यों के साथ गांव में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि आने वाली 25 मई को लोकसभा चुनाव में अपने वोट का प्रयोग अवश्य करें और लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी निभाएं। विद्यालय प्रभारी सज्जन कुमार ने गांव के चौक में एकत्रित ग्रामीणों से लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता मत का प्रयोग करते समय जाति, धर्म, पार्टी से ऊपर उठकर अच्छे प्रत्याशी को वोट दें, जो क्षेत्र का विकास करवाने में समक्ष हो।

हार-जीत खेल का हिस्सा :सांगवान

- मनीषा सांगवान ने खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭| चरखी दादरी

गांव निमड़ी में विशाल सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मनीषा सांगवान ने बतौर विशिष्ठ अतिथि पहुंचकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय कर उन्हें खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस नेत्री ने मनीषा सांगवान फाउंडेशन की ओर से अर्जुन अवार्डी खिलाड़ी कविता, भीम अवार्डी सोनिया व कुश्ती में वर्ल्ड चैंपियन प्रियंका को सम्मानित

दादरी। खिलाड़ियों से परिचय करते मनीषा सांगवान। *फोटो : हरिभूमि*

किया। प्रतियोगिता में 34 टीमों ने भाग लिया। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि चरखी दादरी जिले से कबड्डी व कुश्ती के बड़े खिलाड़ी निकले हैं और अपने नाम का डंका बजवाया है। सांगवान ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खिलाड़ी को हार व जीत दोनों ही परिस्थितियों में सामान्य रहना चाहिए, क्योंकि हार-जीत खेल का हिस्सा है। उन्होंने मंच पर मौजूद अर्जुन अवार्डी कविता, भीम अवार्डी सोनिया व कुश्ती वर्ल्ड चैंपियन प्रियंका को सम्मानित करते हुए कहा कि मनीषा फाउंडेशन का लक्ष्य सक्षम बेटी सक्षम समाज है, जिसका अनुसरण करते हुए उनका हमेशा प्रयास रहता है कि क्षेत्र की बेटियां खेल हो या शिक्षा इन सभी अपना नाम कमाएं।

गीले व सूखे कचरे के बारे में किया जागरूक

भिवानी। श्रीश्याम वेस्ट मैनेजमेंट ने पब्लिक स्कूल बाल भवन में गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग करने व उसके सही निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चों व स्कूल स्टाफ सदस्यों को कचरे को इधर-उधर न फेंकने, उसे कचरे की गाड़ी में सुखे व गीले को अलग-अलग डालने और घर में भी अलग-अलग रखने की शपथ दिलवाई। स्कूल प्राचार्या मंजू शाह की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट मैनेजर विनित की देखरेख में कार्यक्रम हुआ। सुपरवाईजर नवदीप, बंटी व विक्रम ने बताया कि टीम सदस्य कंचन, गीता, उर्मिला उपस्थितजनों को सूखे व गीले कचरे के बारे में जानकारी दी और साफ सफाई रखने का संदेश दिया।

कभी प्रेरकों पर थी जिम्मेदारी अब शिक्षक निभाएंगे अहम भूमिका

'उल्लास' को सफल बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭| बवानीखेड़ा

कहते हैं कि गुरु बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती और जो कार्य शिक्षक कर सकता है शायद ही कोई कर पाए। ये बात शिक्षा विभाग भली.भांति जानता है।

इसी को लेकर विभाग द्वारा शिक्षकों के कंधों पर जो भी जिम्मेदारी डाली जाती है शिक्षक उसे एक परीक्षा की भांति तैयार करके उसमें सफलता हासिल करता है। चाहे वह परीक्षा विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने के साथ बीएलओ की हो, ट्रैफिग, अनाज मंडी,परीक्षा में पर्यवेक्षक की, शिक्षक हर परीक्षा में बाजी मार ले जाता है। इसी तर्ज पर अब विभाग द्वारा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत उल्लास के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेवारी शिक्षकों के कंधों पर डाली है। जिसके सफल बनाने को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी नरेश महता, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी संतोष देवी नागर ने भी मीटिंग लेकर पूरे जिले में कार्य शुरू करवाने के आदेश जारी किए हैं।

शिक्षक बनेंगें उल्लास सर्वेक्षण अभियान के सर्वेयर

सीआरसी संतोष भाकर ने बताया कि विभाग द्वारा आदेश जारी किए हैं कि राजकीय विद्यालयों में प्रवेश उत्सव के साथ एकीकृत योजना बनाकर उल्लास सर्वेक्षण अभियान के तहत सर्वेयर द्वारा घर घर जाकर तालिका के कॉलम 4 में दिए लक्षित असाक्षरों और स्वयंसेवी अक्षर सैनिकों को उल्लास मोबाइल ऍप पर 20 अप्रैल तक पंजीकृत और टैग कर तुरंत शिक्षण अधिगम प्रारंभ करवाना होगा। इन पंजीकृत लाभार्थियों की 200 घंटों की अनिवार्य शिक्षण.अधिगम ऑनलाइन या ऑफलाइन प्रकिया के पश्चात सितंबर 2024 में आयोजित होने वाली मूल्यांकन परीक्षा में बैठकर उल्लास के तहत हरियाणा में महा.परीक्षा आयोजित होगी। कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि खंड के प्रत्येक राजकीय विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को प्रातःकालीन सभा में अपने धर और आसपास के 4 या 5 घरों में 15 वर्ष या अधिक आयु के निरक्षरों, असाक्षरों की सूचना प्राप्त कर अपने कक्षा अध्यापक, सर्वेयर को प्रदान करेंगे।

पहले संभालते थे प्रेरक जिम्मा

विभाग द्वारा 15 वर्ष या अधिक आयु के निरक्षरों व असाक्षरों को चिन्हित कर बुनियादी साक्षरता जिसमें पढ़ना, लिखना, संख्या ज्ञान प्रदान कर साक्षर होने का कार्य शिक्षकों के कंधों पर डाला है। जबकि बताया जाता है कि पहले खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के आधीन प्रेरक इस कार्य को संभालते थे और उन्हें मासिक मानदेय दिया जाता था और लेखा.जोखा के लिए खंड समन्वयक की तैनाती की गई थी लेकिन किसी कारणवश उनसे कार्य वापिस ले लिया गया और अब उसकी पूरी जिम्मेवारी शिक्षकों कंधों पर डाली गई है। विभाग द्वारा नव भारत साक्षरता कार्यक्त्रम के तहत उल्लास के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 2022 से वर्ष 2027 तक इसको अमलीजामा पहनाया जाएगा क्योंकि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भिवानी जिले में निरक्षरों की संख्या 246279 हैए 31 दिसंबर 2024 तक लक्षित निरक्षरों की संख्या 24657 तथा वर्ष 2024.25 तक का उल्लास के तहत कुल लक्ष्य 34521 तय किया गया है।

सालासर व खाटू धाम के लिए जत्था रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिवानी

- 15 बसों में रवाना हुए 800 श्रद्धालु करेंगे बालाजी व खाटू श्रीश्याम के दर्शन
- प्राचीन संस्कृति एवं पौराणिक ज्ञान को बढ़ाते है धार्मिक स्थलों के दर्शन: प्रताप

सनातन संस्कृति में धार्मिक स्थानों पर यात्रा का बड़ा महत्व माना जाता है, शास्त्रों के अनुसार धार्मिक स्थानों की यात्रा करने मात्र से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते है, वहीं धार्मिक यात्रा से समाज के अन्य व्यक्तियों को करीब से जानने का मौका मिलता है, जिससे भाईचारा भी मजबूत होता है।

इसी उद्देश्य के साथ सूर्या यूथ बिग्रेड के नेतृत्व में गांव चांग से सालासर धाम व खाटू श्रीश्याम धाम के लिए भक्तों का जत्था शनिवार को रवाना हुआ। सूर्याप्रताप सिंह की तरफ से ये तीसरी धार्मिक यात्रा है, इससे पहले हरिद्वार, मथुरा, वृंदावन की धार्मिक यात्रा करवा चुके है। यात्रा यात्रियों के जत्थे को हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के जिला प्रधान सतीश परमार चांगिया ने रवाना किया। यात्रा में 15 बसों में करीबन 800 भक्त रवाना हुए। सभा के प्रधान चांगिया व छात्र नेता सूर्याप्रताप ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर धार्मिक स्थानों पर भगवान के दर्शन के लिए जरूर जाना चाहिए, इससे सनातन संस्कृति को बल मिलता है।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर रामअवतार जांगड़ा, डॉ. विरेंद्र शर्मा, प्रवीण रंगा, उमेद ग्रेवाल, जगन्नाथ सैकेटरी, संतलाल धमीजा, रामनारायण जांगड़ा, अमनीराम जांगड़ा, पानाराम जांगड़ा, रिक्की टेलर, डॉ. यशपाल, मुकेश परमार आदि मौजूद रहे।

सूचना

मैं, राजबीर सिंह पुत्र श्री रामकुमार निवासी पातुवास तहसील चरखी दादरी जिला चरखी दादरी बयान करता हूं कि मेरा एक आर्म लाईसेंस नंबर 132270030091312016 जोकि दिनांक 09.07.2025 तक वैलिड है। मेरा उक्त आर्म लाईसेन्स दिनांक 08.06.2023 शाम को करीब 6:15 के आस-पास सब्जी मंडी मार्केट चरखी दादरी में गिर कर गुम हो गया है तथा काफी तलाश के बाद भी नही मिला है और कही मिल गया तो मै उसका गलत प्रयोग नहीं करूंगा और सम्बन्धित कार्यालय को सूचित कर दूगां। उक्त लाईसेन्स किसी मुकदमा/चालान आदि में जमा नहीं है।

खबर संक्षेप

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में चिकित्सा शिविर लगाया

भिवानी। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में प्राचार्या डॉ. अनीता शर्मा के निर्देशन में चिकित्सा कैंप का आयोजन किया। भारद्वाज डेंटल क्लिनिक के अनुभवी दंत चिकित्सक स्वाति शर्मा और डॉ. निवेदिता ने कक्षा नर्सरी से तीसरी के विद्यार्थियों के दांतों की जांच की। प्राचार्या डॉ. अनीता शर्मा ने कहा कि स्कूल में समय-समय पर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जांच संबंधी कैंप लगाए जाते हैं।

दो महिलाओं सहित तीन प्रोडक्शन वारंट पर

हांसी। जिले भर में चोरी की वारदातों पर लगाम लगाते हुए थाना बास हांसी पुलिस ने जलघर से मोटर चोरी करने के आरोप में दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है। आरोपियों की पहचान सुलचानी निवासी अजय व राजो तथा बवानीखेड़ा निवासी राजो देवी के रूप में हुई है।

लोगों का आरोप : रिश्तेदारों ने भी छोड़ दिया आना

वाइस चेयरमैन के वार्ड का पानी भी पीने लायक नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

वैसे तो अंदरूनी शहर में दूषित पेयजल पानी की सप्लाई पहुंच रही है,लेकिन वार्ड संख्या 31 में सीवरेज का मिक्स होकर पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। हैरानी इस बात की है कि उक्त वार्ड का पार्षद नगरपरिषद में वाइस चेयरमैन के पद पर तैनात है। क्षेत्र के लोगों ने आरोप लगाया कि उक्त इलाके में दूषित पानी की सप्लाई लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। जो कि पानी न तो पीने लायक है और अन्य किसी प्रयोग में लाया जा सकता। क्षेत्र में अनेक लोग पेट की बीमारी से परेशान है। लोगों का कहना है कि उनके इलाके में रिश्तेदारों ने भी आना छोड़ दिया है। वार्ड के माल गोदाम रोड के सामने वाले क्षेत्र में दूषित पानी पहुंच रहा है। वहां पर यह समस्या पिछले कई महीनों से बनी है। इस बारे में कई बार शिकायत की,लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। जिस वक्त पानी की सप्लाई आती है तो उस वक्त करीब दस से 15 मिनट तक दूषित पानी उनके घरों तक पहुंचता है। मजबूरन उनको इतने समय तक पानी नालियों में बहाना पड़ रहा है। वे पीने के पानी के लिए दूर दराज के इलाकों में लगे हैंडपम्पों से पानी ला रहे है।

भिवानी। वार्ड की एक गली में जमा सीवर का पानी तथा गंदे पानी की सप्लाई को लेकर नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रिश्तेदारों ने छोड़ दिया आना

क्षेत्र के लोगों ने बताया कि पीने के पानी की लाइन व सीवरेज लाइन दोनों साथ.साथ होने की वजह से अनेक जगहों से दोनों पाईप लाइन लिकेज है। पानी की लाइन लिकेज होने की वजह से गंदा पानी पीने के पानी की सप्लाई वाली लाइन में चला जाता है। जिस वक्त पानी की सप्लाई आती है तो उस वक्त वह पानी उनके घरों तक पहुंचता है। उन्होंने बताया कि पानी इतना खराब आ रहा है जो कि कतई पीने के लायक नहीं है। यहां तक कहा कि पानी दूषित होने के चलते उनके घरों में रिश्तेदारों ने आना छोड़ दिया है।

खुली नालियां, पार्क दुर्दिनों के दौर में

क्षेत्र के लोगों ने बताया कि उनके इलाके में अधिकांश नालियां खुली है। उनकी सफाई न होने से पानी सड़कों व गलियों में फैल रहा है। पानी जमा होने की वजह से मच्छर पनप रहे है। जो कि बीमारी दे रहे है। उन्होंने बताया कि इस बारे में नगरपरिषद के अधिकारियों को बताया था कि अगर उनके घरों के आगे बने चबूतरे तोड़ने पड़े तो वे अपने आप तोड़ देंगे,लेकिन नालियां बंद होनी चाहिए। पार्कों की स्थिति बेहद पतली है। पार्कों का जीर्णोद्धार न करवाए जाने से पार्कों में लोगों ने आना व जाना छोड़ दिया है।

भिवानी। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि।

स्कूलों में बच्चों का शैक्षणिक और मानसिक विकास जरूरी: मटोरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शनिवार को पब्लिक स्कूल बाल भवन का वार्षिक उत्सव प्रगति धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वर्ष 2023-24 के दौरान स्कूल शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्यतिथि हरियाणा बिजली, रैगुलेट्री एवं कमीशन के सचिव एवं स्कूल के पूर्व छात्र नरेंद्र मटोरिया एचसीएस थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिवावक व अन्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की। एचसीएस मटोरिया ने बच्चों में अच्छे संस्कार डालने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल में बच्चों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान की जरूरत है, बल्कि उन्हें नैतिक ज्ञान देकर चरित्रवान बनाना भी जरूरी है। स्कूल के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नर्सरी से गयारहवीं कक्षा तक के छात्र छात्राओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने योगा डांस व भंगड़ा करके खूब तालियां बटौरी। छोटे बच्चों ने मोबाईल के अत्याधिक उपयोग से हो रहे नुकसान पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। प्राचार्या मंजुषा ने स्कूल की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी।

बच्चों ने गली-गली जगाई शिक्षा की अलख

मित्ताथल सरकारी स्कूल के बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली

- बच्चों व अध्यापकों ने अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवाने का ग्रामीणों को संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। जागरुकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना करती प्राचार्या राजरानी।

वीर शहीद सुरेश कुमार राजकीय वमा विद्यालय मित्ताथल के बच्चों ने प्राचार्या राजरानी के नेतृत्व में गांव में चेतना रैली निकालते हुए शिक्षा की अलख जगाई और ग्रामीणों को अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवाने के लिए प्रेरित किया। रैली को प्राचार्या राजरानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली अध्यापिका कृष्णा सिवाच, ऊमा, दीपिका, अनिता कायत, अनिता तंवर, सुमित्रा सिवाच, प्राईमरी हैड कृष्णा के मार्गदर्शन में गांव की गलियों से होते हुए वापस स्कूल प्रांगण में संपन्न हुई। रैली के दौरान बच्चों व अध्यापकों ने अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवाने का ग्रामीणों को संदेश दिया। रैली के सफल आयोजन में मंजू, कमलेश, जमना, प्रमोद, संदीप धारीवाल, कार्तिक, परमानंद, सुमित्रा, जोगेन्द्र, ममता व अन्नु समेत सभी स्टाफ सदस्य व विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा। प्राचार्या ने कहा कि सरकारी स्कूलों में सीसीई के अंतर्गत मासिक, छह माही एवं वार्षिक परीक्षाएं ली जाती हैं।

एचडी किड्स केयर रावलधी स्कूल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

एचडी किड्स केयर रावलधी के वार्षिक उत्सव आशाएँ कार्यक्रम का शुभारंभ माँ वीणापाणी के समक्ष स्कूल निदेशक बलराज फौगाट, खण्ड शिक्षा अधिकारी राजबाला फौगाट, मुख्य अतिथि डा. आनन्द प्रोफेसर इंगलिश और सीबीएसई रिसोर्स पर्सन डॉ. राज सांगवान व डॉ. बीएन वर्मा द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर व पहली.दूसरी कक्षाओं के बच्चों द्वारा समूह नृत्य गीत गणेश वंदना के साथ किया गया। उसके बाद तो मानों बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झड़ी लगा दी। दादी अम्मां दादी अम्मां मान जाओ केजी कक्षा के बच्चों ने प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। नर्सरी कक्षा के बच्चों द्वारा पापा मेरे पापा गीत पर बड़ा ही सुंदर नृत्य किया। नर्सरी कक्षा के बच्चों द्वारा ही मैं निकला गड्डी लेके, रस्ते में एक मोड़ आया नृत्य गीत पर तालियों की गड़गड़ाहट पर पंडाल गूँज उठा। ओ बल्ले.बल्ले जी सोनिया दे रंग देख लो व हरियाणवी समूह ज्ञान नृत्य इसा एण्डी म्हारा हरियाणा पर सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। भारतीय संस्कृति को दर्शाते और महापुरुषों को याद करते हुए कई नाटक भी प्रस्तुत किए। इसके साथ.साथ अन्य शिक्षात्मक कार्यक्रम भी बच्चों और अध्यापकों के द्वारा प्रस्तुत किए गए। इस दौरान वहां मौजूद अभिभावकों और शिक्षकों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम जहाँ विद्यार्थी के मन से स्टेज फोबिया दूर कर उसमें आत्म विश्वास पैदा करते हैं वहीं दर्शकों को भी अपनी सांस्कृतिक अस्मिता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। जब पूर्व प्राथमिक कक्षाओं की नन्हीं प्रतिभाएं मंच को नए आयाम देती हैं तो अभिभावक उनमें अपना बचपन निहारते हैं। वर्तमान समय में शिक्षा के साथ.साथ संवाद क्षमता सोने पर सुहागे का काम करती है। एक विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने संचित ज्ञान को दूसरों में बांटने की क्षमता रखे। इसकी शुरुआत विद्यालय की आरंभिक कक्षाओं से ही की जानी चाहिए। समय.समय पर विद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्त्रम सीखने के असंख्य अवसर उपलब्ध करवाते हैं और विद्यार्थियों को आत्म विश्वास से पूरित करते हैं। एचडी कीड्स केयर रावलधी के वार्षिक उत्सव पर छात्रों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए निदेशक बलराज फौगाट ने उपरोक्त विचार व्यक्त किए। उन्होनें समाज में प्रतिपल गिरते नैतिक पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों में सुसंस्कार पोषित करने में विद्यालय का साथ दें। आज किताबों को रटने की बजाय सीखने और संस्कारित होने की आवश्यकता है। शिक्षा जीविकोपार्जन के साथ.साथ पीढ़ीयों के अंतराल को भी समाप्त करने का काम करे तो हम बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस समय बच्चों का वार्षिक परीक्षा परिणाम भी दिया गया। परीक्षा परिणाम पाकर अभिभावकों के चेहरे की रौनक एवं मुस्कराहट ने एचडी किड्स केयर रावलधी की गतवर्ष की गतिविधियों एवं शैक्षणिक कार्यशैली पर सफलता की मोहर लगा दी। कार्यक्त्रम में पधारे अभिभावकों का स्कूल आने पर तहेदिल से आभार व्यक्त किया व धन्यवाद किया। अभिभावकों ने भी स्कूल, स्कूल अध्यापकों व स्कूल प्रबंधन समिति की खुब प्रशंसा की। सभी मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह को सफल बनाने के लिए छात्रों के प्रयासों की सराहना भी की। कार्यक्रम में आशु मुंजाल, दुरगेश कौर, सीमा बगाई,नितु जांगीर और समस्त अध्यापिकाओं का योगदान सराहनीय रहा। इस अवसर पर सैंकड़ों की संख्या में अभिभावक व बच्चे मौजूद रहे।

चरखीदादरी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यअतिथि व अन्य। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। पालुवास के स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे। फोटो : हरिभूमि

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास में मनाया गया विश्व स्वास्थ्य दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य विश्व के सभी लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना है। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को विश्व स्वास्थ्य दिवस के इस वर्ष के विषय से अवगत करवाया और विद्यार्थियों को शुद्ध जल पीने एवं पौष्टिक भोजन करने के लिए प्रेरित किया।इस साल का विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है. मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार।पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न क्त्रियाकलापों के द्वारा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के प्रति सभी को जागरूक किया। प्राथमिक विभाग के छात्रों ने एक लघु नाटिका द्वारा विद्यार्थियों को यह समझाया कि उन्हें कुछ भी खाने से पहले अपने हाथ अवश्य ही धोने चाहिए ताकि गंभीर बीमारियों से बचा जा सके। विद्यालय के छात्रों द्वारा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए एक साइकिल रैली भी निकाली गई। मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी विद्यालय स्तर पर किया गया।

ऑकवुड स्कूल में अनोखे अंदाज में किया नवआगंतुक बच्चों का स्वागत

- नवआगंतुक बच्चों का प्रार्थना सभा में परिचय करवाकर किया पर्यावरण संरक्षण के बारे जागरूक
- विद्यार्थी के लिए विद्यालय प्रवेश का प्रथम दिन होता है बेहद खास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे। फोटो : हरिभूमि

द ऑकवुड स्कूल में नवआगंतुक बच्चों का प्रार्थना सभा में अनोखे अंदाज में परिचय करवाया गया। इस दौरान बच्चों ने कविता गायन तथा संक्षिप्त रूप में अपना अपना परिचय दिया। सिया, विजेता, निपुण, पूर्वी, रेयांश, भाव,विराज ने सभी अध्यापकों को अपना परिचय दिया। एकता, लिसा, वाणी, हंसवी ने कविता सुना कर सभी को आनंदित किया। नए बच्चों में यश, रक्षा, मोहित, रोहित रेयांश, परम, सनाया, यूसुफ आदि ने प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। परिचय के बाद बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए भेंट स्वरूप ग्रीटिंग कार्ड दिए गए तथा आह्वान किया गया कि प्रत्येक बच्चा अपने घर, सार्वजनिक स्थल या फिर अपने विद्यालय में पौधा रोपित करे तथा उसके पालन.पोषण की जिम्मेवारी ले, ताकि हमारा पर्यावरण संतुलित हो सकें और प्रदूषण से निजात मिल सकें। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी के लिए विद्यालय प्रवेश का प्रथम दिन बेहद खास होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नया प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण देश की बड़ी समस्या है। हमारे नौनिहाल धुएं की जद में आने से नहीं बच सकते,क्योंकि हरे वृक्षों की तुलना में वाहनों का प्रदूषण बहुत ज्यादा है।

इसीलिए अधिक से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य हमें निर्धारित करना होगा तथा पर्यावरण के प्रति अपने विद्यार्थियों के साथ.साथ शहर के आम नागरिकों को भी जागरूक करना होगा कि वे सप्ताह में कम से कम एक दिन वाहन का प्रयोग ना करें, अधिक से अधिक पौधे रोपित करें ताकि पर्यावरण संतुलन बनाया जा सकें। इस मौके पर प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में सभी छात्रों को आगे बढ़कर विचार व्यक्त करने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक दिनेश सिंह राणा तथा मानवेंद्र सिंह सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

न्यूज डायरी

बीके स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

बवानीखेड़ा। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,बवानी खेड़ा में अच्छा स्पर्श . बुरा स्पर्श साप्ताहिक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा स्तर पर विद्यार्थियों को अच्छा स्पर्श . बुरा स्पर्श के बारे में बताया गया। इन सब की जानकारी विद्यार्थियों को लघुनाटिका, प्रोजेक्ट वीडियो, भाव.भंगिमा के माध्यम से दी गई, जिसे सभी विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक समझा। वरिष्ठ कक्षाओं के छात्र.छात्राओं को सदाचार, आदर्श व्यवहार व संस्कारों से संबंधित जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों को अच्छा स्पर्श . बुरा स्पर्श संस्कार से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को सुरक्षा से संबंधित मोबाइल नंबरों से अवगत करवाया तथा भविष्य में सुरक्षित एवं सतर्क रहने के लिए दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष जोगेंद्र जांगड़ा, सचिव योगेश शर्मा, वरिष्ठ संचालक योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ संचालिका मंजू मलिक, सदन संचालिकाएँ कविता कुमारी, निधि रोहिल्ला, सुमन, मीनू वालिया, दीप्ति, सपना, रजनी, आशा, अनीता, हेमलता, सोनिया, सोनू,रीना जाखड़, अमित, सतेंद्र सहित स्टाफ के समस्त सदस्य व विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता को लेकर निकाली रैली

भिवानी। बवानी खेड़ा स्थित वीर शहीद गुलाब सिंह पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एनएसएस यूनिट द्वारा कार्यक्रम अधिकारी कुसुम शर्मा के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। जिसे जिला एनएसएस कोर्डिनेटर एवं कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यकारी प्राचार्य यशबीर, बीएलओ सरोज, पूजा आदि ने वरिष्ठ नागरिक रामकिशन काजल ने कार्यक्रम में विशेष भूमिका अदा की। रैली अलग अलग स्लोगनों के माध्यम से करखा के विभिन्न मार्गों से जागरूकता का संदेश देते हुए वापिस निर्धारित स्थान पर पहुंची।

बालमुकंद बने एचबीपीवीए युनिट भिवानी के प्रधान : भिवानी। नहेरू पार्क में हरियाणा बिजली पेंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन युनिट भिवानी का त्रिवार्षिक चुनाव सेवानिवृत अधिक्षक अभियंता एवं चुनाव अधिकारी आरपी मदान एवं सेवानिवृत्त एओ फूलसिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनावी बैठक के दौरान उपस्थित एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से बालमुकंद बापोड़ा की कार्यशैली को देखते हुए फिर से प्रधान पद की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं फतेसिंह को वरिष्ठ उपप्रधान, आरके चावला को महासचिव, रामनिवास कौशिक को सचिव, सुरेश नागपाल को सहसचिव, राधाकृष्ण भट को सहकोषाध्यक्ष, बीडी भारद्वाज को मुख्य संरक्षक, कपूरसिंह ग्रेवाल को संरक्षक, रविन्द्र शर्मा को ऑडिटर, आरपी मदान को मुख्य सलाहकार, रमेश चांगिया, जयभगवान शर्मा व राजपाल सिंह चैहड़ को सलाहकार, बीडी कौशिक को कानूनी सलाहकार पद की जिम्मेदारी सौंपी।

चारों विधानसभा में 8 लाख 66 हजार मतदाता

वरिष्ठ नागरिकों व युवाओं के हाथों में रहेगी जीत की चॉबी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

इस बार लोकसभा चुनावों में जीत की चॉबी वरिष्ठ नागरिकों(85 वर्ष से उपर) व पहली बार वोट डालने जाने वाले युवा मतदाताओं के हाथ में रहेगी। चूंकि चारों विधानसभाओं में उक्त दोनों तरह के मतदाताओं की संख्या 13 158 तथा इस बार वोट बनवाने वाले युवा मतदाताओं की संख्या 15 हजार 136 है। दोनों वर्ग के वोट जिस तरफ झुक गए तो उसी उम्मीदवार की जीत तय है। चूंकि इन मतदाताओं का आंकड़ा 28 हजार के आंकड़े को पार कर गया। लोकसभा चुनाव में सभी की नजरे इन्हीं मतदाताओं पर टिकी रहेगी। उल्लेखनीय है कि भिवानी जिले की चारों विधान सभा क्षेत्रों में 85 वर्ष से अधिक आयु के 13 हजार 158 मतदाता हैं, जिनमें 4395 पुरूष 8763 महिला मतदाता है। जिला भिवानी के चारों विधान सभा क्षेत्रों में 7462 दिव्यांग मतदाता हैं, जिनमें 4977 पुरूष व 2485 महिला मतदाता हैं। जिला भिवानी में 18.19 वर्ष के 15 हजार 136 मतदाता हैं, जिनमें 10 हजार 563 पुरूष व 4573 महिला मतदाता है।

85 वर्ष से अधिक आयु के और दिव्यांग मतदातों के लिए दी गई है पोस्टल बैलेट की सुविधा : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट की सुविधा दी गई है। इसके अलावा मतदान के समय कोविड.19 से संक्त्रमित मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें फार्म.12 डी अपने बीएलओ को देना होगा। उसके बाद उनको पोस्टल बैलेट जारी किया जाएगा। जिला प्रशासन का प्रयास है कि पोस्टल बैलेट की श्रेणी में आने वाले हर मतदाता के पास फार्म 12.डी भेजा जाएगा।

शनिवार को होगा लोकसभा के लिए मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव के लिए अधिसूचना 29 अप्रैल सोमवार को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो जाएगी, छह मई को नामांकन की अंतिम तारीख है। सात मई को नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी। नौ मई को प्रत्याशी अपने नामांकन वापस ले सकते हैं। 25 मई शनिवार को मतदान होगा। चार जून मंगलवार को मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा भिवानी. महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के लिए महेंद्रगढ़ के डीसी को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिले में 912 मतदान केन्द्र बनाए

जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश नरवाल ने बताया कि जिला भिवानी के चारों विधानसभा क्षेत्रों में 16 मार्च 2024 तक कुल 8 लाख 66 हजार 222 मतदाता हैंए जिनमें से 4 लाख 58 हजार 472 पुरुष एवं 4 लाख 7 हजार 742 महिला मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि जिला भिवानी में 912 मतदान केन्द्र बनाए गए हैंए जिनमें चार पिंक बूथ हैं, जो कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक.एक है। उन्होंने बताया कि जिला भिवानी के चारों विधानसभा क्षेत्रों में 7970 सर्विस मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि जिला भिवानी में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न करवाने के लिए 1914 बैलेट यूनिट, 1196 कंट्रोल यूनिट तथा 1292 वीवी पैट हैं जो कि पर्याप्त संख्या में है। डीसी ने बताया कि जिला भिवानी में चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए अलग.अलग टीमों का गठन किया गया है। मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाने के लिए 4012 कर्मचारियों ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर चार सहायक खर्च पर्यवेक्षक टीम व चार लेखा निगरानी टीम, 21 वीडियो निगरानी टीम, चार वीडियो वीविंग टीम, 22 फ्लाइंग स्कवेयड टीम हैं।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
CUET S.S.C.
अग्निवीर C.E.T.
रेलवे N.D.A.
अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली (च. दादरी) नजदीक बस स्टैण्ड
9416330206, 9050035973

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक, रविवार 7 अप्रैल 2024

हेल्दी रहने के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन, व्यायाम और आसन करना तो जरूरी है ही, साथ ही मन से आनंदित रहना भी जरूरी है, तभी आप स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रह सकते हैं। मन से आनंदित रहने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में दस फंडों को अपनाना होगा। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, इन्हीं दस फंडों के बारे में।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

जिंदगी के मकान में जरूर हों ये 10 कमरे

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

हम में से अधिकतर लोग सोचते हैं कि भरपूर धन-दौलत से ही आसानी से जिंदगी में स्वस्थ रह सकते हैं, खुशी महसूस कर सकते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। दर्जनों प्रेरक पुस्तकें लिखने वाले विद्वान लेखक डॉ. फ्रैंक क्रेन ने अच्छी सेहत और खुशहाल जिंदगी पाने के अचूक नुस्खे एक लेख में बताए हैं। यह लेख 'द अमेरिकन मैगजीन' में करीब सौ साल पहले (1920 के आस-पास) छपा था। इस लेख में उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कई अनमोल सूत्र बताए हैं।

कला से लगाव : यह दुनिया खूबसूरत चीजों से भरी हुई है। लेकिन उस खूबसूरती का लुत्फ उठाना आप तभी सीख पाएंगे, जब आपको कला की समझ होगी। इसलिए कला से लगाव बढ़ाएं। जब आप कला की कद्र करने लगेंगे तो आपको इससे ऐसी खुशी मिलने लगेगी, जैसी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने पर मिलती है। चित्रकला हो, काष्ठकला या मूर्तिकला जिसमें आपका मन रमे, उसमें कुछ समय जरूर दें।

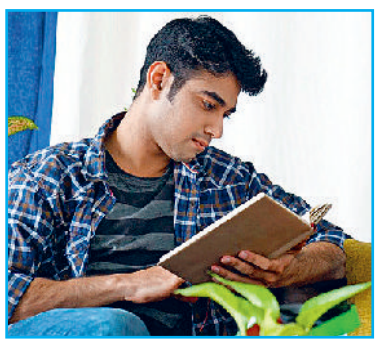

साहित्य से प्रेम : जिसे साहित्य पढ़ने में रुचि होती है, उसे इसमें ढेर सारी खुशी और ज्ञान प्राप्त होता है। इसमें रुचि लेने से वैचारिक स्तर पर आप समृद्ध होते जाएंगे। साहित्य से प्रेम करेंगे, तो आपको जीवन से प्रेम होने लगेगा और ताजगी महसूस करने लगेंगे।

संगीत का आनंद : डॉ. फ्रैंक के अनुसार जिसे संगीत से प्यार नहीं, वो दुनिया का सबसे गरीब आदमी कहा जा सकता है। जिंदगी में सुर और ताल बनाए रखने के लिए संगीत में रुचि बहुत कारगर साबित होती है। यकीन करें, अगर आप अपनी आत्मा को संगीत से सींचेंगे तो आपको आलौकिक आनंद महसूस होने लगेगा।

घुमक्कड़ी का शौक : शहरों में रहने वाले अधिकतर लोग दिन हो या रात चारदीवारी में ही घिरे रहते हैं। अधिकांश समय खुली, ताजा हवा में सांस नहीं ले पाते। स्वस्थ रहना है तो खुला आसमान, हरियाली भरे जंगल, जीवंतता के प्रतीक झरने आदि का आनंद उठाना सीखें। कभी खुले आसमान के नीचे लेट कर आकाश के तारे निहारें, हरी दूब पर लेटें, ताजा हवा के झोंकों में खुद को खुला छोड़ दें, पहाड़ों की गोद में यूं ही घूमने चले जाएं, फिर देखिए कैसी खुशी मिलती है!

संवेदनशील मन: संवेदनशील बनना भी स्वस्थ रहने के लिए बहुत कारगर है। हृदय के दरवाजे हमेशा खोल कर रखें। दूसरों के सुख-दुख को महसूस करें और उनमें शरीक हों। स्नेह, प्यार, मित्रता, रिश्ते आदि सुख और खुशी देते हैं। इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जो स्वस्थ रहने में बहुत मददगार होती है।

बच्चों से जुड़ाव : अपने जीवन को सेहतमंद और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों से जुड़ना भी बहुत प्रभावी होता है। बच्चे जिंदगी के मकान का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। इनसे जुड़ेंगे तो आप रोजमर्रा के अपने दुख-दर्द भूल जाएंगे।

खेलकूद में रुचि : क्या आप अखबार में आने वाले स्पोर्ट्स पेज को पढ़ते हैं? चेस, टेनिस, क्रिकेट कोई भी खेल खेलते हैं? अगर नहीं तो आपको पता होना चाहिए कि जो लोग खेलकूद पसंद नहीं करते, वे स्वास्थ्य और खुशी की दृष्टि से दुनिया के गरीब लोगों में शुमार होते हैं। अगर आप खेलते हैं या खेलकूद की गतिविधियों में दिलचस्पी लेते हैं, तो आप जीवन के कठिन दौर में भी खुश रहने की कला सीख लेंगे।

आनंद की अनुभूति : अपनी दिनचर्या की छोटी-छोटी चीजों में आनंद ढूंढ़ने की आदत आपको बहुत खुश और स्वस्थ बना सकती है। अपने बिस्तर की नरमी, भोजन का स्वाद और सुगंध, कपड़ों के रंग और डिजाइन, नंगे पांव मिट्टी पर चलने, ऑफिस की चाय, घर से दफ्तर तक का सफर, स्नान से मिलने वाली ऊर्जा और शांति आदि सब में आनंद के पल ढूंढ़े जा सकते हैं। शुरुआत में भले कुछ असहज लगे लेकिन कुछ समय बाद आप जीवन के हर पल में आनंद महसूस करने लगेंगे।

ईश्वर में आस्था : अध्यात्म और ईश्वरीय शक्ति में आस्था सचमुच सुकून और राहत देती है। ईश्वर में आस्था आपको सकारात्मकता और ऊर्जा से भर देती है। जो लोग प्रार्थना, अध्यात्म, सुपर नेचुरल पावर आदि की ताकत महसूस करते हुए भी खुद को बुद्धिजीवी करार देने के लिए इनसे दूर रहते हैं, वे सचमुच जीवन के आनंद से महरूम रहते हैं।

अपने काम से प्यार : हम सब को जीविका के लिए कोई न कोई काम करना पड़ता है। लेकिन हममें से ज्यादातर काम को बोझ समझते हैं। जरा सोचकर देखिए कि अगर आप काम में व्यस्त नहीं रहते, हर रोज संघर्ष न करते, मन में कोई लक्ष्य न होता, किसी से कोई आशा न होती तो आपकी जिंदगी कितनी रीती और सूनी होती? यकीन नहीं होता, तो दो-तीन दिन बिना कुछ किए घर में पड़े रहकर देखें, कितना उदास और बीमार महसूस करने लगेंगे, इसलिए प्रोफेशन का आनंद उठाएं। इसे एंज्वॉय करेंगे तो कभी भी वर्क प्रेशर महसूस नहीं होगा और आप स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी से मुक्त रहते हुए स्वस्थ जीवन जिएंगे। *

मेडिकल केयर से अधिक लाभकारी है सेल्फ केयर

यह सही है कि बीमार होने पर हमें मेडिकल केयर की जरूरत पड़ती है। लेकिन सवाल है कि हम बीमार ही क्यों पड़ते हैं? अगर हम अपनी जीवनशैली के साथ आहार में समुचित बदलाव कर लें और सेल्फ केयर करें तो मेडिकल केयर की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज

भगवान गौतम बुद्ध की उक्ति है-स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। इसी से समझा जा सकता है कि अच्छे स्वास्थ्य का हम सभी के जीवन में कितना महत्व होता है? जिसका शरीर स्वस्थ है, वही स्वस्थ कार्य कर सकता है। इसीलिए तो हम हमेशा अपने प्रियजनों के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना रखते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति बीमार होकर अपनी मेहनत की कमाई को डॉक्टर और दवाइयों पर जाया करना नहीं चाहता। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ कहलाता है, जब वह स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करे। दुर्भाग्य से आज के आधुनिक जगत की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास पर्याप्त समय ही नहीं होता कि वे अपने स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहें। इसलिए कुछ लोग स्वस्थ दिनचर्या को अपनाकर रोगों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, किंतु उनका यह प्रयास अनेक प्रकार के सामाजिक दबाव के कारण उतना सफल नहीं हो पाता है, अंततोगत्वा निराश होकर वे अस्वस्थ जीवनशैली को अपना लेते हैं। हम यह अकसर भूल जाते हैं कि मां प्रकृति ने हमें, हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। जरूरत है एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने की।

दवाओं पर कम करें निर्भरता: आज, दवा की गोलियां, कैप्सूल अधिकतर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसकी वजह यह है कि समय की कमी और व्यस्त जीवनशैली के कारण हम हमेशा स्वयं की देखभाल यानी कि 'सेल्फ केयर' की तुलना में चिकित्सा यानी कि 'मेडिकल केयर' को अधिक पसंद करते हैं। हम जंक फूड, जरूरत से ज्यादा खाना, व्यायाम और उचित आराम न करना, भावनात्मक अस्थिरता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी अनेक गलत आदतों के जाल में इस कदर फंसे हुए हैं कि हमें इस बात का एहसास तक नहीं होता कि इन सभी आदतों का हमारे स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। तो फिर क्यों न एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाया जाए? पर क्या यह इतना सरल है? जी हां! बिल्कुल सरल हैं।

जीवनशैली में करें सुधार: यदि अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम कुछ छोटे-मोटे परिवर्तन अपनी दिनचर्या में लाएं तो हम एक समग्र संतुलित स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मसलन, जल्दी सोना और जल्दी उठना, इस आदत को यदि हम गंभीरता से अपना लें, तो प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक हमारा दिन बहुत अच्छा बीतेगा। इसी प्रकार से सुबह को या शाम को यदि हम कुछ हल्का-फुल्का व्यायाम, जैसे कि सैर, जॉगिंग आदि को सिर्फ आधा घंटा कर लें, तो हम एक नई स्वस्थ पहल कर सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन: पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, आरोग्य का सबसे मुख्य भाग है, संतुलित आहार। जी हां! डाइटिंग के नाम पर अपने को भूखा रखना हानिकारक सिद्ध हो सकता है, इसके बजाय अपनी भोजन शैली में व्यावहरिक परिवर्तन कर सारे पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन लेने के नियम का पालन करना और यदा-कदा रूप में कुछ भी खा लेने की आदत से बचना ज्यादा हितकारक है।

ध्यान का सकारात्मक प्रभाव: पिछले कुछ वर्षों में किए गए चिकित्सा अनुसंधानों के द्वारा यह तथ्य सामने आया है कि 'अध्यात्म', मानव चरित्र का एक ऐसा महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसके भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करता है, अतः उसकी उपेक्षा करना नुकसानकारक सिद्ध हो सकता है। इसीलिए विश्व भर के चिकित्सक आज दवाई के साथ-साथ अपने मरीजों को ध्यान (मेडिटेशन) करने की राय देते हैं, क्योंकि उनका यह स्पष्ट मानना है कि ध्यान के द्वारा मनुष्य अपने दिन-प्रतिदिन की नकारात्मकता से दूर रह सकता है और वह उनके शारीरिक स्वास्थ्य के बेहतरी में भी सहायक होगा। याद रहे! अपनी केयर खुद करें ताकि मेडिकल केयर से बचे रहें। *

आगामी मंगलवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्र और नवसंत्सर का शुभारंभ हो रहा है। इस तिथि का जितना प्राकृतिक, ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व है, उतना ही सांस्कृतिक महत्व भी है। इससे जुड़ी पौराणिक-सांस्कृतिक महत्ता पर एक दृष्टि।

नवसंवत्सर 2081 नवारंभ का सांस्कृतिक उत्सव

पर्व-संस्कृति / डॉ. घनश्याम बादल

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल चैत्र प्रतिपदा से नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है। एक बार फिर कालचक्र के परिवर्तन के साथ नववर्ष दस्तक दे रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी 9 अप्रैल मंगलवार से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ हो रहा है। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्र भी आरंभ हो रहे हैं।

ज्योतिषीय-पौराणिक मान्यताएं: ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर 2081 का नाम क्रोधी और पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है। इसका राजा मंगल और मंत्री शनि होंगे। ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष ग्रहों के दशाधिकार में सात विभाग क्रूर ग्रहों को और तीन शुभ ग्रहों को मिले हैं। मंगल के राजा और शनि के मंत्री होने से इस वर्ष के उथल-पुथल भरा रहने की आशंका है। मान्यता है कि नए संवत्सर में ब्रह्मांड में नई व्यवस्था का गठन भी होता है। मान्यता यह भी है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ इसी तिथि से किया था। यह भी माना जाता है कि सबसे पहले सतयुग का प्रारंभ इसी तिथि यानी चैत्र प्रतिपदा से हुआ था। यह तिथि सृष्टि के कालचक्र प्रारंभ और पहला दिन भी माना जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में अथाह जलराशि में से मनु की नौका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। प्रलयकाल समाप्त होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई। हिंदू विक्रम संवत, अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे होता है। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि से अगले 9 दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना का महापर्व नवरात्र भी आरंभ होता है।

सांस्कृतिक धरोहर : राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक की शुरुआत इस चैत्र नवरात्र से ही होती है। महाराष्ट्र में इस दिन को गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है।

शुक्ल पक्ष से आरंभ होता नववर्ष: यह नववर्ष किसी जाति, वर्ग, देश, संप्रदाय का नहीं अपितु संपूर्ण मानवता का नववर्ष है। यह पर्व विशुद्ध रूप से भौगोलिक पर्व है, क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि से भी इस दौरान वनस्पतियों, फूलों और पत्तियों में भी नयापन दिखाई देता है। हिंदू कैलेंडर में कुल 12 माह होते हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। हिंदू कैलेंडर के सभी महीने नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा तिथि पर जो नक्षत्र रहता है, उसी नक्षत्र के नाम पर हिंदी महीनों के नाम रखे गए हैं। जैस चैत्र का महीना चित्रा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, इसी प्रकार वैशाख, विशाखा के नाम पर, ज्येष्ठ, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। एक प्रश्न यह उठता है कि चैत्र महीना हिंदू नववर्ष का पहला महीना होता है, जो होली के बाद शुरू हो जाता है। यानी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा लग जाती है फिर भी उसके 15 दिन बाद नया हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? इसका उत्तर यह है कि हिंदू पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा से अमावस्या तिथि के 15 दिनों तक रहता है और कृष्ण पक्ष के इन 15 दिनों में चंद्रमा धीरे-धीरे लगातार घटने के कारण पूरे आकाश में अंधेरा छाने लगता है। सनातन धर्म का आधार हमेशा अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का रहा है यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। इसी वजह से चैत्र माह के लगने के 15 दिन बाद जब शुक्ल पक्ष लगता है तभी प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष मनाया जाता है। अमावस्या के अगले दिन शुक्ल पक्ष लगने से चंद्रमा हर एक दिन बढ़ता जाता है, जिससे कालक्रम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है।

क्या है प्रतिपदा: हिंदू पंचांग की प्रथम तिथि प्रतिपदा कही जाती है। यह तिथि मास में दो बार आती है पूर्णिमा के पश्चात और अमावस्या के पश्चात। पूर्णिमा के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा और अमावस्या के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा कहा जाता है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से चंद्रमा पूर्णता की ओर बढ़ता है, अतः इसे प्रतिपदा कहते हैं। शुक्ल पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 0 से 12 डिग्री तक होता है, जबकि कृष्ण पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 181 से 192 डिग्री तक होता है, तब प्रतिपदा तिथि होती है। कृष्ण प्रतिपदा को चंद्रमा की प्रथम कला होती है। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा में चंद्रमा अस्त रहता है। कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में स्थिति एकदम विपरीत होती है। कृष्ण प्रतिपदा में चंद्र अपने ह्रास की ओर बढ़ता है। अतः कह सकते हैं कि हिंदू संस्कृति में नया वर्ष आनंददायक भाव के साथ शुरू किया जाता है। *

शुभकामना गीत / शिवचरण चौहान

नव संवत्सर मंगलमय हो !

भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी।
नए वर्ष की शुभ तिथि प्यारी।।
भारत की सर्वत्र विजय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
ऋतु बसंत पावन, मनभावन।
चैत्र मास नव मास सुहावन।।
महाराज विक्रम की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
पूरित शस्य धरा अति पावन।
नव पल्लव फल-फूल सुहावन।।
ग्रह नक्षत्र शुभ मंगलमय हो।
भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।

कहानी
रेखा शाह आरबी

लाल गमछा

रामदीन रोज रेल की पटरियों के किनारे वाले जंगल में अपनी बकरियां चराने ले जाता था। यहां बड़ी-बड़ी और मुलायम घास बकरियों को आसानी से उपलब्ध हो जाती थी। रामदीन पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में मात्र चार-पांच दिन ही स्कूल गया था। उसका स्कूल में मन नहीं लगा तो स्कूल जाना छोड़ दिया। उसने घर में अपनी बकरियों को चराने की जिम्मेदारी ले ली।

उस दिन बकरियां जंगल में घास चर रही थीं। रामदीन कोई गीत गुनगुनाते हुए पटरियों के किनारे टहल रहा था। अचानक उसकी नजर रेल की टूटी पटरी पर पड़ी। वह चौंका, 'हे भगवान! यहां तो रेल की पटरी टूटी हुई है। रेल आएगी तो दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगी।'

रामदीन ने सोचा गांव जाकर लोगों को खबर करे, लेकिन गांव दूर था। दोपहर बाद शाम शुरू होते ही आने वाली ट्रेन का टाइम हो रहा था। वह सोच में पड़ गया, यदि ट्रेन आ गई तो भयंकर दुर्घटना हो जाएगी। ना जाने कितनी जानें चली जाएंगी, कितने लोग हताहत हो जाएंगे। दोपहर खत्म हो रही थी। ठीक इसी समय ट्रेन आती थी, रामदीन को पता था। क्योंकि रोज वह बकरियों को चराकर इसी समय अपने गांव की ओर वापस लौटता था। वह जाती हुई उस ट्रेन के यात्रियों को हाथ हिलाकर अभिवादन करता था। यात्री भी उसे इस तरह हाथ हिलाते देखकर मुस्कुराते हुए अपने हाथ हिलाकर उसके अभिवादन का जवाब देते थे।

रामदीन का दिमाग सुन्न हो रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, करे तो क्या करे? कैसे ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाए? उसे अचानक याद आया, जब वह बचपन में चार-पांच दिन के लिए स्कूल गया था तो मास्टर जी ने बच्चों को बताया था कि यदि आपातकाल में कभी ट्रेन रुकवानी पड़े तो तुम किसी भी लाल रंग के कपड़े को ट्रेन के ड्राइवर को दिखाओ, ड्राइवर ट्रेन रोक देगा, क्योंकि लाल रंग खतरे का प्रतीक होता है। ड्राइवर समझ जाएगा कि आगे कहीं कुछ खतरा है, इसलिए ट्रेन रुकने का इशारा किया जा रहा है।

रामदीन ने अपने कपड़े देखे। उसने देखा, गले में लाल रंग का गमछा पड़ा हुआ है। उसने अपने डंडे में गमछे के दोनों सिरों को बांधा और पटरी के पास खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसे दूर से ट्रेन के आने की आवाज सुनाई दी। वह डंडे में बंधे लाल गमछे को हिलाते हुए ट्रेन की दिशा में दौड़ पड़ा।

ड्राइवर ने दूर से ही देख लिया था, एक व्यक्ति लाल रंग का कपड़ा लहराते हुए ट्रेन की तरफ आ रहा है। वह समझ गया कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, उसने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकने के बाद ड्राइवर, गार्ड, टीटी और कुछ यात्री उतर कर रामदीन के पास आए। उसने सबको ट्रेन की टूटी पटरी दिखाई। टूटी पटरी देखकर लोग दंग रह गए। ड्राइवर बोला, 'आपने एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से बचाई है, लोगों की जान बचाई है।'

तुरंत स्टेशन से इंजीनियरों की टीम बुलाकर पटरियों की मरम्मत करवाई गई। ट्रेन जब अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो टीटी, ड्राइवर, गार्ड और यात्रियों ने हाथ हिलाकर रामदीन के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

शाम होते ही रामदीन अपनी बकरियों को लेकर घर आ गया। रात को जब रामदीन अपनी खाट पर सोने के लिए लेटा तो सोच रहा था- 'मैं जब चार-पांच दिन स्कूल गया तो मुझे इतना ज्ञान मिल गया कि एक ट्रेन के कितने सारे लोगों की जान बचा ली। अगर लंबे समय तक शिक्षा ग्रहण की होती तो मैं ना जाने कितने और बड़े-बड़े काम करने के लिए समक्ष हो जाता।'

उसी रात रामदीन ने मन ही मन संकल्प लिया कि वह तो अनपढ़ रह गया, लेकिन अपने बच्चों को अनपढ़ नहीं रहने देगा। जल्द ही अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएगा। *

खरी-खरी / अशोक अंजुम

चुनावी मौसम में

बेईमानी, झूठ के सब कारखाने चल पड़े।
लो सभी नेता स्वयं को आजमाने चल पड़े।
जो सदा करते रहे बातें उजालों की यहां,
वे तिमिर के वंशजों के गीत गाने चल पड़े।
आ गया मतदान का मौसम, 'रे पंछी जाग जा'
फिर शिकारी वायदों के लेके दाने चल पड़े।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

इस सृष्टि की संपूर्ण शक्ति की स्रोत आदिशक्ति मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व नवरात्र, आगामी मंगलवार से आरंभ हो रहे हैं। इस दौरान प्रकृति भी अपना पुराना आवरण त्याग कर नया स्वरूप धारण करती है। ऐसे संक्रांति काल में पवित्र मन से उपासना करने पर मां शक्तिस्वरूपा की कृपा अवश्य प्राप्त होती है।

चैत्र नवरात्र शक्ति की कामना का उत्सव

{ आस्था / सरस्वती रमेश }

धार्मिक ही नहीं ज्योतिष की दृष्टि से भी चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दौरान सूर्य का राशि परिवर्तन होता है। यह अपनी आत्मशक्ति को जागृत करने और सात्विक गुणों को विकसित करने के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। नवरात्र में हम देवी के नौ रूपों की अर्चना करते हैं। असल में ये नौ रूप हमारी विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार, उनकी शुद्धि से जुड़े हुए हैं। तरह-तरह की तामसिक प्रवृत्तियां हम सब के इर्द-गिर्द विचरण करती रहती हैं। नवरात्र के दौरान किया जाने वाला तप, उपवास हमें इन नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त कर शुद्ध और सृजनशील बनाता है। इसलिए चैत्र नवरात्र को आध्यात्मिक साधना से शक्ति अर्जित करने का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है।

संपूर्ण सृष्टि की स्रोत आदिशक्ति

यह संपूर्ण सृष्टि, शक्तिस्वरूपा में निहित सृजनात्मकता का प्रतिफल है। इस सृजनात्मकता का आरंभ आदिशक्ति से माना जाता है। हमारी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस सृष्टि के सृजन के लिए आदिशक्ति के अंश स्वरूप ब्रह्मा, विष्णु और शिव की उत्पत्ति हुई थी, जिन्होंने इस ब्रह्मांड की परिकल्पना की। नवरात्र पर्व स्त्री शक्ति की इसी सृजनात्मकता और उसके अनगिन रूपों की आराधना का पर्व है। आदिशक्ति संसार की सभी शक्तियों का केंद्र बिंदु हैं। इसलिए नवरात्र में देवी की उपासना से हमें मानसिक, आध्यात्मिक हर तरह की शक्ति प्राप्त हो सकती है। हमारी वैदिक संस्कृति के अनुसार प्रत्येक नारी अपने आप में दैदीप्यमान ज्योतिर्मयी सत्ता है। यानी आदिशक्ति का ही प्रतीक रूप। अपने भीतर की शक्ति को जागृत करने के लिए आदिशक्ति से शक्ति की कामना का ही पर्व है नवरात्र।

उपवास से उपासना

नवरात्र के नौ दिन साधना और संयम के साथ आत्मजागरण करने का अवसर होता है। बिना संयम और चित्त पर नियंत्रण किए साधना नहीं की जा सकती। चित्त के हठीले संस्कार, लोभ, ईर्ष्या, जड़ता, भय जैसी नकारात्मक शक्तियां हमारे आगे बढ़ने की राह में सबसे बड़ी बाधा होती हैं। इनसे पार पाने के लिए नियमित साधना आवश्यक है। नवरात्र के दौरान किए जाने वाले उपवास से इस साधना पथ पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। साधना हमारे भावनात्मक संतुलन को साधती है। आंतरिक शक्ति का विस्तार कर संकल्पों को साकार करने में मदद करती है। मानसिक विकारों को दूर करती है और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के लिए सात्विक शक्तियों का बीजारोपण करती है।

साधना का उद्देश्य

नवरात्र में उपवास और साधना का उद्देश्य स्व को परिमार्जित करना होता है। जिस तरह हमारा बाहरी व्यक्तित्व हमारे कपड़ों, गहनों और आचार-विचार से निर्धारित होता है, ठीक उसी तरह हमारा आंतरिक व्यक्तित्व आत्मसंयम, आत्मबल, इच्छाशक्ति, विवेक और ज्ञान से परिभाषित होता है। साधना के द्वारा ज्ञान और विवेक अर्जित किया जा सकता है। इसके अलावा साधना आत्म से साक्षात्कार का सबसे बड़ा माध्यम होती है। आत्म से साक्षात्कार समस्त शक्तियों और ज्ञान के मूल से परिचित होना है। बिना आत्म से मिले हुए कोई भी साधना अपूर्ण ही मानी जाएगी क्योंकि आत्म से मिलन अपनी चेतना में आदिशक्ति के अंश को पहचानना है। उसे अपने भौतिक जीवन में उतारना है। उसकी प्रेरणा से अपने जीवन की दिशाएं तय करना है।

उपासना से होता है कल्याण

चैत्र मास में प्रकृति अपने सुंदरतम रूप में व्याप्त होती है। प्रकृति का यह उल्लास पूरे वातावरण पर प्रभाव डालता है। मान्यता है कि इस दौरान आध्यात्मिक साधना करने वालों पर सृष्टि में पर्याप्त सकारात्मक ऊर्जा दैवीय अनुकंपा के रूप में बरसती है। इस तरह प्रकृति से प्राप्त ऊर्जा का संयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा से होता है। साधक के मन-मस्तिष्क और आचार-विचार का कायाकल्प हो जाता है। यानी हर तरह से हमारा कल्याण होता है। आत्मचेता मनुष्य सिर्फ अपने जीवन में बदलाव नहीं लाते बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाकर जीवन में सार्थकता लाते हैं। *

स्त्रियों में विद्यमान देवी अंश

शक्ति स्वरूपा देवी का अंश स्त्रियों में भी विद्यमान होता है। इसीलिए उनकी ऊर्जा निरंतर और अक्षुण्ण होती है। बात संस्कार की हो या समर्पण की, कर्तव्य की हो या अपनत्व की इस सांसारिक यात्रा में स्त्रियां निरंतर सक्रिय रहती हैं, अपना दायित्व निभाती रहती हैं। उनमें मौजूद विभिन्न गुणों के आधार पर ही उन्हें लक्ष्मी, सरस्वती, काली और दुर्गा का अंश कहा जाता है। हम नवरात्र में दुर्गा जी की आराधना अवश्य करें लेकिन साथ ही शक्ति का अंश धारण करने वाली स्त्रियों को भी घर, बाहर और समाज में हर जगह आदर-सम्मान देना कभी ना भूलें।

इंद्रधनुषी पर्व-संस्कृति का गुलदस्ता है बैसाखी

आगामी 13 अप्रैल को बैसाखी का पर्व मनाया जाएगा। यह पर्व जहां एक तरफ किसानों के उल्लास का प्रतीक है तो साथ ही यह कई धर्मों के अनुयायियों के लिए भी महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इसे देश में कई रूपों में मनाया जाता है।

{ पर्वोल्लास / दिव्यज्योति 'नंदन' }

बैसाखी एक ऐसा पर्व है, जिसके नाम लेते ही मन में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे सिख समुदाय के हमारे भाइयों की भांगड़ा करती छवि तैर जाती है। लेकिन बैसाखी सिर्फ पंजाब, हरियाणा भर का त्योहार नहीं है।

फसल तैयार होने का उल्लासः बैसाखी का यह पर्व होली के बाद रबी के फसल के पककर तैयार हो जाने और किसान भाइयों द्वारा इसकी भीनी-भीनी खुशबू से रोमांचित होकर दर्शाई गई खुशी और उमंग का नाम है। चूंकि रबी की फसल सिर्फ पंजाब, हरियाणा या उत्तर भारत में ही नहीं पैदा होती बल्कि पूरे भारत में थोड़े-थोड़े अंतराल के बीच दस्तक देती है। इसलिए देश के कई प्रांतों में बैसाखी के आस-पास कई ऐसे पर्व मनाए जाते हैं, जिनका संबंध प्राचीन भारतीय संस्कृति में बहुत गहरे तक जुड़ा हुआ है।

कई धर्मों से जुड़ा पर्वः बैसाखी वास्तव में वैशाख मास की संक्रांति है यानी, सौर मास का प्रथम दिन। बैसाखी हिंदू कैलेंडर के वैशाख महीने का अपभ्रंश है। बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में संक्रमण करता है, इस कारण इसे वैदिक संस्कृति और ज्योतिष विधान में मेष संक्रांति या विषुवत संक्रांति भी कहते हैं।

बिहू पर्व पर नाचती-गातीं स्थानीय महिलाएं

बैसाखी विशुद्ध रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का सांस्कृतिक पर्व है। इसलिए इसका जितना रिश्ता सिख धर्म से है, उतना ही हिंदू धर्म से भी है और उतना ही हिंदुस्तान में जन्मे बौद्ध और जैन धर्मों से भी है। यही वजह है कि बैसाखी का पर्व किसी न किसी रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। बस फर्क इतना होता है कि अलग-अलग जगहों में इसका नाम अलग-अलग हो जाता है। इसे कहीं बसोआ, कहीं बिसुआ, कहीं जुड़ शीतल, कहीं पोहेला बौसाख, कहीं बिहू, कहीं विशु, कहीं पुथंडु कहते हैं। बैसाखी वास्तव में पकी फसल की सोंधी खुश्बू के उल्लास का पर्व है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्वः बैसाखी का नाम लेते ही कानों में 'जट्टा आई रे बैसाखी...' की धुन गूंजने लगती है। देश के दूसरे हिस्सों में भी इस दिन सुर और ताल का खूब समां बंधता है। बैसाखी के दिन ही सिखों के दूसरे गुरु श्री अंगद देव जी का जन्म हुआ था और इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना आरंभ की थी। मान्यता है कि भगवान श्री राम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। इसी दिन केरल और तमिलनाडु में बिशु पर्व और असम में बिहू तथा पश्चिम बंगाल में पोएला बैशाख पर्व मनाया जाता है। इस दिन पूरे भारत में लोग पवित्र नदियों, सरोवरों में स्नान करते हैं। दान-पुण्य करते हैं और इन सभी स्नानस्थलों पर लगने वाले मेलों में शामिल होते हैं। पंजाब में तो इस दिन पूरे प्रांत में 100 से ज्यादा जगहों पर छोटे-बड़े मेले लगते हैं। इस दिन लोग सुबह-सुबह नहाकर मंदिरों और गुरुद्वारों में जाते हैं। गली-गली में लंगर लगाए जाते हैं। इस अवसर पर हर तरफ खुशी और उल्लास का वातावरण दिखाई देता है। चित्रकूट और प्रयाग में भी इस दिन पवित्र स्नान और मेलों का आयोजन होता है। उत्तर प्रदेश में खासकर बुंदेलखंड के इलाके में इस दिन लोग नहा-धोकर और पूजा करके सत्तू खाते हैं। देशभर में इस समय गेहूं की फसल कट रही होती है या कटनी शुरू होती है। इसलिए किसान इस त्योहार को फसलों के इर्द-गिर्द नाचते-गाते हुए मनाते हैं।

सिख समुदाय का पवित्र पर्वः गुरु गोविंद सिंह ने वैशाख माह की षष्ठी को ही खालसा पंथ की स्थापना की थी। सिख समुदाय के लोग इसलिए भी बैसाखी को बड़े उल्लास से मनाते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी ने 1699 ई. को बैसाखी पर श्री आनंदपुर साहिब में विशेष समागम किया था। इसमें देशभर की संगत ने आकर इस ऐतिहासिक अवसर पर अपना सहयोग दिया था। गुरु गोविंद सिंह जी ने इसी मौके पर संगत को ललकार कर कहा था, 'देश को गुलामी से आजाद करने के लिए मुझे एक शीश चाहिए।' गुरु साहिब की ललकार को सुनकर पांच वीरों दया सिंह खत्री, धर्म सिंह जट, मोहकम सिंह छीवां, साहिब सिंह और हिम्मत सिंह ने अपने-अपने शीश गुरु गोबिंद सिंह जी को भेंट किए थे। इन्हीं पांच वीरों के जरिए खालसा पंथ की स्थापना हुई थी, जिसने किस तरह संकट से घिरे हिंदू धर्म को बचाया, यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है। *

{ रोचक / मच्छिंद्र ऐनापुरे }

दो महाद्वीपों में फैला देश अजरबैजान

इस पृथ्वी पर महाद्वीप, हम इंसानों द्वारा अपनी राजनीतिक सुविधा के लिए भौगोलिक सीमाओं का उपयोग करके बनाए गए विभाजन हैं। लेकिन अकसर प्रकृति का विभाजन बहुत सख्त नहीं होता और इसीलिए पृथ्वी पर दो महाद्वीपों में फैले देश मौजूद हैं। ऐसा ही एक देश है- अजरबैजान। यह देश पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया की सीमा पर स्थित है, इसलिए यह दोनों महाद्वीपों के बीच विभाजित है। एक तरफ कैस्पियन सागर और दूसरी तरफ काकेशस पर्वत के बीच बसा यह छोटा सा देश हमारे अपने देश के पश्चिम बंगाल राज्य से भी छोटा है।

इस देश की राजधानी बाकू, समुद्र तल से नीचे विश्व की सबसे निचली राजधानी है। बाकू शहर समुद्र तल से 92 मीटर नीचे है। बाकू शहर को वहां बहने वाली तेज हवाओं के कारण 'हवाओं का शहर' भी कहा जाता है। इस शहर में स्थित 'फ्लेम टावर्स' अपने अनूठे डिजाइन के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। ओल्ड सिटी सेंटर में एक पहाड़ी पर स्थित, ये टावर कैस्पियन सागर का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

देश का इतिहासः ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में एट्रोपेटस इस भूमि का शासक हुआ करता था। एट्रोपेटस शब्द का अर्थ है 'पवित्र अग्नि की भूमि।' इस देश में स्थित यानरदाग एक ऐसा स्थान है, जहां प्राकृतिक गैस से प्रज्ज्वलित आग देखी जा सकती है और लगातार जलती रहती है, इसलिए यह नाम अग्नि की भूमि से आया होगा। माना जाता है कि इसी एट्रोपेटस से इस देश का नाम अजरबैजान पड़ा।

अनोखे हैं तीन टावर्सः यहां स्थित तीन फ्लेम टावरों में सबसे ऊंचा दक्षिण में 39 मंजिला टावर है। इस आवासीय टावर में 130 लक्जरी अपार्टमेंट हैं। उत्तरी कोने में 36 मंजिला टावर में 318 कमरों वाला फेयरमोंट होटल है। पश्चिमी तरफ, कॉर्पोरेट ऑफिसेस वाला टावर है। इन टावरों का निर्माण 2007 में शुरू हुआ और 2012 में इनका निर्माण पूरा हुआ था। इन टावरों का आकार आग की लपटों जैसा है, लेकिन उनकी सतह एलईडी स्क्रीन से बनी है और ये स्क्रीन आग की लपटों का दृश्य प्रदर्शित करती हैं, जिन्हें शहर में कहीं से भी देखा जा सकता है। *

{ लाइफस्टाइल / किरण भास्कर }

जब लगाएं परफ्यूम इन बातों का रखें ध्यान

मॉडर्न लाइफस्टाइल में आपकी ड्रेस और दूसरी एक्सेसरीज की तरह आपका परफ्यूम भी आपकी पर्सनालिटी को दर्शाता है। कई लोग अपने को रिफ्रेश करने के लिए बार-बार परफ्यूम का छिड़काव करते हैं, जबकि कई लोग ऐसे परफ्यूम लगाते हैं, जिसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। दरअसल, खुशबू में इस्तेमाल किए जाने वाले तेल का महत्व ज्यादा होता है। यही वजह है कि वे परफ्यूम ज्यादा महंगे होते हैं, जिनमें यूज किया गया तेल महंगा होता है।

परफ्यूम का असरः विभिन्न इलेक्ट्रो फिजियो-लॉजिकल अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि वास्तव में हमारे परफ्यूम की खुशबू या सुगंध हमारे मूड को तय करती है। यही नहीं फ्रेगरेंस का रिश्ता हमारे तनाव और भावनाओं से भी सीधे तौर पर होता है। कई अध्ययनों से यह बात स्पष्ट हो गई है कि अलग-अलग तरह की सुगंध अलग-अलग तरह का प्रभाव डालती है। इसलिए हर किसी को यह जानना चाहिए कि उसके मूड का रिमोट आखिर कौन-सा परफ्यूम है और पूरी सजगता के साथ ऐसे परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहिए। अध्ययनों से यह भी साफ हुआ है कि फ्रेगरेंस का रिश्ता हमारी बेहतर नींद से भी है। इसलिए अपने लिए ऐसे परफ्यूम को चुनें, जो आपको बेहतर नींद मुहैया कराए। लब्बोलुआब यह कि अपने परफ्यूम को अपने मूड का रिमोट बनाइए।

जब लगाएं परफ्यूमः अपने लिए परफ्यूम सेलेक्ट और यूज करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

- महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर नियमित परफ्यूम देर तक खुशबू देते हैं। इनमें आमतौर पर 30 प्रतिशत से ज्यादा एसेंशियल ऑयल होता है और ये सुबह से लेकर शाम तक करीब 7-8 घंटे अपनी भीनी-भीनी खुशबू बिखेरते हैं और आप महकते रहते हैं।
- 15 से 22 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम 3 से 5 घंटे तक खुशबू देते हैं। ऐसे परफ्यूम कलाई और गर्दन पर लगाने चाहिए।
- 8 से 15 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम स्प्रे में आते हैं और इन्हें भी अकसर आम लोग इस्तेमाल करते हैं।
- 4 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम को शरीर के हर हिस्से पर लगाया जा सकता है। यह स्पेशल बोतल में आता है और दो घंटे तक इसकी महक बनी रहती है।
- अगर लंबे समय तक परफ्यूम की खुशबू चाहते हैं तो इसे लगाने के लिए उसकी लेयरिंग टोन को कंसीडर करें और उसी महक को अलग-अलग प्रोडक्ट के रूप में इस्तेमाल करें। शावर या बाथ जैल के अलावा इसे बॉडी में लोशन या स्प्रे के साथ नहाने के बाद बाथ स्प्रे के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जब सेंट को परफ्यूम के रूप में इस्तेमाल करें तो इसे नीचे से ऊपर की ओर लगाएं। इससे पूरे शरीर में महक बनी रहती है।
- परफ्यूम को बॉडी प्वाइंट जैसे कोहनियों, बैक, घुटनों, कलाई, गर्दन और वक्ष स्थल में लगाएं, जहां इसकी महक लंबे समय तक रहती है। *

छोटे पर्दे से बड़े पर्दे पर आईं प्राची देसाई का सिक्का ओटीटी पर काफी जम चुका है। इन दिनों वह ओटीटी फिल्म 'साइलेंस : द नाइट आउल बार शूटआउट' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें प्राची का क्या किरदार है? क्या प्राची ने फिल्मों से दूरी बना ली है? करियर से जुड़े अहम सवालों पर प्राची देसाई से खुली बातचीत।

ओटीटी पर मुझे फिल्मों के मुकाबले ज्यादा चैलेंजिंग किरदार मिल रहे हैं : प्राची देसाई

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

ओटीटी की लोकप्रियता को देखते हुए बॉलीवुड और टीवी से जुड़े कई नामी सितारों ने इसकी ओर रुख किया है। इनमें एक और एक्ट्रेस का नाम जुड़ गया है-प्राची देसाई। उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था फिल्म 'साइलेंस' से। प्राची ने तेलुगू भाषा के सुपरस्टार नागा चैतन्य के साथ भी एक वेब शो 'धूता' किया है। इन दिनों वह मनोज बाजपेयी के साथ 'साइलेंसः द नाइट आउल बार शूटआउट' को लेकर चर्चा में हैं। यह वेब सीरीज 16 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज होगी। पेश है प्राची देसाई से हुई बातचीत के प्रमुख अंश -

'साइलेंस' के एक सीन में मनोज बाजपेयी के साथ प्राची देसाई

फिल्म के बड़े पर्दे और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करके क्या फर्क पाती हैं?

मेरी नजर में ओटीटी के लिए शूटिंग करना ज्यादा आसान है। सात-आठ एपिसोड्स की कहानी वाले वेब शो की शूटिंग ज्यादा से ज्यादा एक से डेढ़ महीने में खत्म हो जाती है। फिल्मों में बड़ा ताम-झाम होता है। बल्क में डेट्स ली जाती है। कभी फिल्म की शूटिंग नहीं हो पाई तो पूरा शेड्यूल गड़बड़ा जाता है। मेहनत तो फिल्म और ओटीटी दोनों जगहों पर है ही। वैसे ओटीटी पर मुझे फिल्मों के मुकाबले ज्यादा चैलेंजिंग किरदार मिल रहे हैं।

आपने कुछ वर्ष पहले 'साइलेंस' सीजन-1 भी की थी। इसी फिल्म का दूसरा सीजन करने की क्या खास वजह रहीं, यानी आपने इसे क्यों एक्सेप्ट किया?

2020 के कोरोना लॉक डाउन के दौर में मैंने फिल्म 'साइलेंस' सीजन-1 की थी। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर जॉनर की बहुत दिलचस्प फिल्म है। इस जॉनर की फिल्में आजकल खूब पसंद की जा रही हैं। 'साइलेंस' सीजन 1 की शूटिंग के समय बहुत सारे प्रोटोकॉल निभाने थे। शूटिंग करने की भी इजाजत आसानी से नहीं मिलती थी। इस मुश्किल समय में शूटिंग करना बिल्कुल आसान नहीं था। लेकिन सभी कलाकारों ने मिलजुल कर काम किया। उस अनुभव को, उन दिनों को मैं कभी नहीं भूला सकती। हम बस इंतजार ही कर रहे थे कि कब 'साइलेंस' का दूसरा सीजन बने। जब दूसरे सीजन का ऑफर मिला, इसे एक्सेप्ट करना तो बनता ही था।

क्या इसकी कहानी-किरदार का आकर्षण नहीं था आपके लिए?

ऑफकोर्स था। कलाकार के लिए कहानी और किरदार का आकर्षण ना हो तो वह कलाकार कैसा? फिल्म में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम करना एक बहुत बड़ा आकर्षण किसी भी एक्टर के लिए हो सकता है।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताएं?

इस फिल्म में मेरा किरदार इन्वेस्टिगेटिव पुलिस ऑफिसर संजना भाटिया का है। मेरा किरदार अंडर कवर्ड है। मस्ती-मजाक में भी पुलिस ऑफिसर संजना भाटिया अपने कर्तव्य को उचित अंजाम देती है।

अपने किरदार के लिए आपने क्या कोई खास तैयारी की थी? इसके लिए निर्देशक की कोई विशेष हिदायत थी?

अमूमन पुलिस अफसर जब किसी हीरो को दिखाया जाता है तब उसमें अकसर कई एक्शन सीन होते हैं, लेकिन निर्देशक अबन भरुचा देवहंस, जो एक सक्षम महिला निर्देशक हैं, उन्होंने मेरे किरदार को थोड़ा लाइट हार्टेड बनाया। सभी पुरुष पुलिस वालों में मैं एक महिला पुलिस ऑफिसर हूं, जो कहानी में हल्के-फुल्के संवाद बोलती है, सभी को हंसाती रहती है। संजना के कारण तनाव भरे माहौल में हल्का-फुल्का माहौल बनता है। हालांकि इसमें छोटे-मोटे एक्शन सीन हैं, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। यह मर्डर मिस्ट्री है। कहानी में सभी कड़ियों को जोड़े रखने में संजना कारगर मालूम होती है। इसलिए एक्शन, स्टंट्स करने वाली यह पुलिस अफसर नहीं है। यह संजना दर्शकों को याद रहेगी।

आप अचानक फिल्मों से गायब हो गईं। अब चार वर्षों बाद ओटीटी पर नजर आ रही हैं? आप फिल्मों से दूर क्यों हुईं?

मैं फिल्मों में नजर नहीं आई, जिसके कई कारण थे। कोरोना काल के लॉक डाउन में मेरी क्या शायद ही किसी अन्य एक्टर की फिल्म रिलीज हुई हो। मैंने जो फिल्में साइन की थीं, उनमें कोई फिल्म शुरू नहीं हो पाई। मैं अपने पैशन के लिए फिल्में करती हूं, यह जरूरी नहीं मेरी हर वर्ष दो-चार फिल्में रिलीज हों। एक वर्ष में बस एक फिल्म रिलीज हो, जिसे करने में मुझे खुशी हो, इतना काफी है मेरे लिए। मैं बहुत चूजी हूं, जो पसंद आए सिर्फ उसे ही एक्सेप्ट करती हूं। ओटीटी पर जो भी प्रोजेक्ट किए, मेरे परफॉर्मेंस की प्रशंसा हुई। ऐसा नहीं है कि मैं बड़े पर्दे से दूर हो गई हूं।

'साइलेंस' सीजन-2 के अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इधर और क्या किया है?

अमेजॉन प्राइम पर 'धूता' रिलीज हुए अभी तीन महीने हुए हैं। इस वेब शो का रिजल्ट काफी उत्साहवर्धक रहा। आठ कड़ियों वाले इस शो का जो फीडबैक मिला, देखकर खुशी हुई। लगा मेरा यह निर्णय सही था कि मैं ओटीटी के नए प्लेटफॉर्म पर खुद को आजमा लूं। विक्रम कुमार इसके निर्देशक हैं, मेरे को-स्टार नागा चैतन्य हैं। मुझे निर्देशक विक्रम कुमार और नागा चैतन्य ने काफी कन्विंस किया कि मैं यह शो कर खुद को आजमाऊं। अगर मेरे लिए यह रिस्क है तो रिस्क लेना सही है। बिना रिस्क, बिना चैलेंज एक एक्टर के रूप में मैं कैसे ग्रो करूंगी? उनके इस तरह समझाने के बाद मैं वेब शो 'धूता' के लिए मान गई। इस वेब शो का यह पहला सीजन है। दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है। *